चैत्र कृष्ण पक्ष- 13, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 249 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
16 मार्च 2026 सोमवार

आज का मौसम
36.4 अधिकतम
20.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

वाह ! राहुल जी, आपकी सियासत और समझ... कांशीराम बनना भी चाहते थे सीएम ?

देश में 1980 से बाद दलित राजनीति के नए प्रणेता के रूप में उभरे कांशीराम पर राहुल गांधी के दो बयानों से उनकी सिसासी समझ और फितरत को लेकर सवाल उठना शुरू हो गए हैं। जेहन में कई सवाल घुमड़ने लगे हैं जिनके जवाब राहुल गांधी के करने की इच्छा भी होने लगी है। मसलन राहुल बाबा को कांशीराम की याद उनकी जयंती के मौके पर आयोजित जलसे के दौरान ही क्यों आई? उन्हें यह ज्ञान किसने दे दिया कि यदि पंडित जवाहर लाल नेहरू जिंदा होते तो कांशीराम जी यूपी के सीएम होते। यदि यह मान भी लें कि नेहरू जी के मन में दलितों के प्रति अगाध श्रद्धा थी तो उन्होंने संविधान निर्माता और उसकी ड्राफ्ट कमेटी के चेयरमैनमैन डॉ भीमराव आंबेडकर को लोकसभा का जीता हुआ चुनाव क्यों हरवाया? वह भी तो समाज में समानता और समरसता का भाव पैदा करने की बात करते थे। यह भी मान भी लें कि सिर्फ कांशीराम यूपी के सीएम बनने लायक थे तो नेहरू के बाद भी तो कांग्रेस की सरकारें रहीं। तब यह पहल क्यों नहीं हुई। खासतौर से इंदिरा जी के पीएम रहने के दौरान ही कांशीराम ने पहले डीएएस-फोर और वामसेफ के सफर के बाद राजनीतिक दल के रूप में बहुजन समाज पार्टी की स्थापना की। इंदिरा जी के बाद राहुल के पूज्य पिता स्व. राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान कांशीराम जी का सफर शुरू हुआ। पंजाब में जन्में कांशीराम ने कभी किसी भी राज्य का सी सीएम बनने का सपना भी नहीं संजोया। उनका साफ नजरिया यही था कि वह पूरे देश में गैर बराबरी को खतम करके सारे समाजों को एक मंच पर लाना चाहते हैं। जहां तक यूपी के सीएम का सवाल है तो कांशीराम ने इस राज्य के लिए मायावती को चुना। नरसिम्हाराव के पीएम और कांग्रेस अध्यक्ष रहते पार्टी का बसपा से चुनाव पूर्व गठजोड़ भी हुआ। कांग्रेस ने अपने प्रभाव वाली सीटों के साथ ही 425 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधान सभा की तीन सौ से ज्यादा सीटें दी भीं। कांग्रेस ने खुद सौ से कुछ अधिक शायद 103 तीन सीटों पर चुनाव लड़ा लड़ा लेकिन नतीजा क्या निकला। बीएसपी 1993 के चुनावों की तरह 67 सीटों पर ही सिमटी रही । कांग्रेस ने चुनाव पूर्व हुए गठबंधन को तोड़ दिया। मायावती का कांग्रेस के साथ सरकार बनाना इसलिए भी मुश्किल था क्योकि तब कांग्रेस विधायकों की संख्या 28 से बढ़कर 33 तक ही पहुंच सकी थी। राहुल जी, आपको एक बात और याद दिला दूं कि 1993 के चुनाव के बाद हंग असेम्बली के चलते बीएसपी से मिलकर समाजवादी पार्टी के मुखिया मुलायम सिंह यादव ने सरकार बनाई। तब यह नारा बहुत चर्चित हुआ था ' मिले मुलायम और कांशरीम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम' लेकिन यह हवा हवाई गठजोड़ ज्यादा नहीं चल सका । 1995 में मायावती ने समर्थन वापस लिया तो 2 जून 1995 को लखनऊ के बटलर इलाके में बने सरकारी गेस्ट हाउस में मायवती के साथ भी बदसलूकी हुई। इस शर्मनाक घटनाक्रम के दौरान केंद्र में काबिज कांग्रेसी सरकार मूक दर्शक बनी रही। यूपी में आज भी इस गेस्ट हाऊस कांड की याद लोगों के जहन में ताजा है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

लोकतंत्र का तकाजा और नेता प्रतिपक्ष से गंभीरता की अपेक्षा

बहरहाल, इस गठबंधन के टूटने के बाद बसपा को भाजपा ने टेका लगाया और मायावती भाजपा की मदद से यूपी में पहली बार दलित महिला के बतौर 1995 में सीएम बनीं। हालांकि वह चार महीने ही सीएम रह सकीं। 1996 में सरकार को भंग करके फिर से चुनाव कराए गए । फिर भी भाजपा 174 सीटों के साथ पहले पायदान पर थी तो कांशीराम की बसपा का आंकड़ा 67 पर मिसटा रहा। छह महीने के राष्ट्रपति शासन के बाद 1997 में विधानसभा चुनाव के पहले कांशीराम की सहमति से बीजेपी से गठजोड़ हुआ। दोनों को मिले संयुक्त बहुमत के बाद पहले ढाई साल मायावती सीएम रहीं और बाद में कल्याण सिंह ने दूसरी बार यूपी के सीएम का दायित्व संभाला। यानी 1993 के बाद तीन गठबंधन हुए, तीन मुख्यमंत्री बदले गए और गठबंधन की राजनीति की परंपरा की शुरूआत हुई। कांग्रेस ने 1998 के चुनाव के पहले हुए गठजोड़ के बाद बसपा से कभी भी कोई समझौता नहीं किया। बाद के घटनाक्रमों को देखें तो 2002 में मुलायम सिंह और 2007 में मायवती की पूरी बहुमत की सरकार बनी। पहले 2007 में मायावती ने दलितों के साथ ही मुस्लिम और ब्राह्मण वोट बैंक को साथ लेकर सरकार बनाई। तब इसके सूत्रधार सतीश मिश्रा बने थे। मायवती ने 'तिलक, तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार' वाले नारे को त्यागा। बहुजन हिताय और बहुजन सुखाय की जगह सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय का नारा बुंलद किया। उन्होंने कानून व्यवस्था के मोर्च पर तो बेहतर काम किया लेकिन आम से लेकर खास लोगों के साथ संवादहीनता के चलते लोगों ने अहसास किया कि उनमें पूर्ण सत्ता मिलते ही वह सामंती भाव आ गया है जिसकी खिलाफत कांशीराम और मायावती खुद करती थीं। इसलिए 2012 में अखिलेश यादव अपने बूते पर सरकार बनाने में कामयाब रहे। यादव मुस्लिम कार्ड के चलते सपा की नैया भी किनारे लग गई। 2017 से अब तक भाजपा की भारी बहुमत के साथ सरकार चल रही है और सबकी निगाहें 2027 के यूपी इलेक्शन पर टिक गई है। इस पूरी सियासत का लब्बोलुआब यही है कि मायावती की अगुआई में कांग्रेस से छिटके वोटर कभी उसके पाले में नहीं लौटे। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खत- किताबत करते हुए कांशीराम को भारतरत्न देने की मांग कर डाली है। अब राहुल की इस मांग का दलित वोटरों पर कितना असर होगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। पर एक बाद तय है कि राहुल गांधी को चाहिए कि कुछ भी बोलने के पहले सोच-समझकर ऐतिहासिक तथ्यों की पड़ताल कर लें। बोलने के बाद सुधार की गुंजाइश काफी कम रह जाती है। खासतौर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद तो उनसे गंभीरता की अपेक्षा अधिक है। लोकतंत्र का तकाजा भी यही कहता है।

न्यूज विंडो

धार के भोजशाला मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई

इंदौर। धार स्थित भोजशाला मामले में हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में आज सुनवाई तय है। 23 फरवरी को हुई सुनवाई में हाई कोर्ट ने सभी याचिकाकर्ताओं और प्रतिवादियों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की सर्वे रिपोर्ट पर दो हफ्ते के भीतर अपनी आपत्तियां और सुझाव देने के निर्देश दिए थे। दाखिल जवाबों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। एएसआई ने हाईकोर्ट के आदेश पर 22 मार्च 2024 से करीब 100 दिन तक परिसर और उससे 50 मीटर की परिधि में जांच, सर्वे और सीमित उत्खनन किया। टीम में पुरातत्वविद्, अभिलेखविद्, रसायनविद् और अन्य विशेषज्ञ शामिल थे।

राज्यसभा की 11 सीटों के लिए वोटिंग जारी

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव के लिए आज सुबह 9 बजे वोटिंग शुरू हो गई है। शाम 4 बजे तक मतदान होगा, जबकि 5 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के नतीजे शाम तक आ जाएंगे।

इनमें से 7 राज्यों की 26 सीटों पर तस्वीर लगभग साफ है। यहां उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं। हरियाणा, बिहार और ओडिशा की 11 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। हरियाणा में वोटिंग के लिए कांग्रेस के विधायक हिमाचल के कसौली से रवाना होकर चंडीगढ़ पहुंच गए हैं। इधर बिहार-ओडिशा में उलटफेर के आसार है।

हरीश की इच्छामृत्यु पर आज डॉक्टरों की बड़ी बैठक

नईदिल्ली। हरीश राणा की इच्छामृत्यु को लेकर आज एम्स प्रशासन द्वारा गठित डाक्टरों की कमेटी की बैठक होगी। इसमें कमेटी हरीश की इच्छामृत्यु के लिए उनकी जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने पर चर्चा कर फैसला करेगी। हालांकि, दिन में हरीश के गले और पेट में डाली गई ट्यूब हटाने जाने की चर्चा होती रही, लेकिन एम्स ने इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। एम्स की कार्यकारी प्रवक्ता अस्मिता पाटिल ने कहा कि एम्स सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि हरीश रणा 13 वर्ष पहले गंभीर चोट लगने के कारण कोमा में चले गए थे। पहले हरीश के गले में ट्रेकियोस्टोमी कर एक ट्यूब टाली गई थी।

आज का कार्टून

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास फिर हमला, कई उड़ानें डायवर्ट, एयरपोर्ट रोड और टनल को बंद किया

बग़दाद/तेहरान/तेल अवीव. एजेंसी

वाशिंगटन डीसी/ तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो देशों देशों को धमकी देते हुए कहा है कि अगर सहयोगी देश होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने में मदद नहीं करते हैं तो नाटो का भविष्य बहुत खराब हो सकता है। ट्रम्प ने कहा, ÷हमारे पास नाटो नाम की एक व्यवस्था है। हम उनके साथ बहुत अच्छे रहे हैं। हमें यूक्रेन के मामले में उनकी मदद करने की जरूरत नहीं थी। फिर भी हमने उनकी मदद की। अब देखना है कि क्या वे हमारी मदद करते हैं।÷ उन्होंने यह भी कहा कि अगर चीन होर्मुज को खुला रखने में मदद नहीं करता है, तो वह इस महीने के अंत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाले अपने शिखर सम्मेलन को टाल सकते हैं। ट्रम्प 31 मार्च को चीन जाने वाले हैं। दरअसल, ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल करने वाले देशों से इस रास्ते की रक्षा करने के लिए वॉरशिप और जरूरी मदद भेजने की मांग की थी। दुनियाभर का 20 फ़ीसदी तेल इसी रुट से गुजरता है।

उधर आज सुबह दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास एक फ्यूल टैंक को निशाना बनाया गया। इससे पहले भी जंग के दौरान यहां हमला हो चुका है। हालांकि हमले में किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई। हमले के कारण कुछ उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया। इसके बाद दुबई पुलिस ने एयरपोर्ट रोड और एयरपोर्ट टनल को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। पुलिस ने चालकों से कहा है कि अभियान जारी रहने तक दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करें।

ट्रम्प की नाटो को धमकी...होर्मुज खोलने में मदद करें वरना खराब होगा भविष्य

ऑस्ट्रेलिया-जापान का वॉरशिप भेजने से इनकार

ऑस्ट्रेलिया ने साफ कर दिया है कि वह होर्मुज में अपने युद्धपोत नहीं भेजेगा। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस रुट को खुला रखने के लिए सहयोगी देशों से मदद मांगी। ऑस्ट्रेलिया की परिवहन मंत्री कैथरीन किंग ने एबीसी रेडियो को दिए इंटरव्यू में कहा कि ऑस्ट्रेलिया पहले ही अपने योगदान को लेकर स्पष्ट है। उधर, जापान की प्रधानमंत्री सना ताकाइची ने संसद में कहा है कि टोक्यो का होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल टैंकरों की सुरक्षा के लिए नौसेना भेजने का फिलहाल कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, हम यह देख रहे हैं कि जापान अपने स्तर पर क्या कर सकता है और कानूनी ढांचे के भीतर क्या संभव है। उधर, जंग के बीच यूएई ने 35 लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया, जिनमें 19 भारतीय हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक इन पर सोशल मीडिया पर फेक वीडियो और जानकारी फैलाने का आरोप है। अटॉर्नी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्स ने बताया कि यह कदम डिजिटल प्लेटफॉर्म की निगरानी के बाद उठाया गया है, ताकि झूठी जानकारी फैलाकर अशांति या डर फैलाने से रोका जा सके।

करहाती दुनिया और मजे के लिए युद्ध करते ट्रम्प

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

शांति के पुरस्कार की हसरत पूरी नहीं हो पाने के बाद अब दुनिया को ट्रम्प के लिए अशांति पुरस्कार स्थापित करने की सोचना चाहिए। पल में तोशा पल में माशा वाली कहावत को उन्होंने जिस तरह से चरितार्थ किया है, उसने पूरी दुनिया को झकझोरा है। यही नहीं, खुद उनके देश में रहने वाली बड़ी आबादी यह सोचने को विवश है की उन्हें दोबारा जिताकर कोई भूल तो नहीं कर दी? ईरान युद्ध के शुरू होने पहले और उसके बाद उनके बयानों की बानगी आपके सामने पेश कर रहा हूँ। पराकाष्ठा उनके उस बयान से हो गई कि वह ईरान युद्ध जीत चुके हैं, अब तो वह सिर्फ मजे के लिए जंग लड़ रहे हैं। ईरान के समझौते के प्रस्ताव को यह कहकर उन्होंने खारिज कर दिया की उसकी शर्तें मानने के क़ाबिल नहीं। मजे लिए उस जंग को जायज ठहराना ठीक नहीं था, जिसने युद्ध में शामिल देशों को ही नहीं तटस्थ देशों को भी गंभीर ऊर्जा और अर्थव्यस्वस्था के संकट में डाल दिया है। इस जंग के बीच उनके बयानों की बानगी बिना कोई टीका टिप्पणी के आपके साथ शेयर कर रहा हूँ। उनके बारे में राय आप स्वयं बनायें।

20 फरवरी 2026 - व्हाइट हाउस में कहा कि अमेरिका 'ईरान के साथ युद्ध नहीं चाहता' और उनका लक्ष्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार न बनाए। उस समय मैंने कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया है। **25 फरवरी 2026**- यदि ईरान ने अमेरिकी हितों को चुनौती दी तो 'अमेरिका बेहद कड़ा जवाब देगा' और सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगा। **28 फरवरी 2026**- इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हवाई हमले पर ट्रम्प ने कहा कि यह सीमित सैन्य अभियान है और अमेरिका का लक्ष्य केवल कुछ रणनीतिक ठिकानों को नष्ट करना है, न कि पूर्ण युद्ध छेड़ना। **5 मार्च 2026** - ईरान की सैन्य क्षमता लगभग खत्म कर दी गई है और युद्ध जल्द समाप्त हो सकता है। **10 मार्च 2026** - अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका लंबे समय तक अभियान चलाने के लिए तैयार है। **14 मार्च 2026** - अमेरिका युद्ध में आगे चल रहा है और आवश्यक हुआ तो खार्ग द्वीप के तेल ठिकानों पर और हमले किए जा सकते हैं। और... आखिर में उन्होंने मजे लिए जंग की बात कहकर खुद को हास्यास्पद हालत में ला दिया है। इन तमाम बयानों से स्पष्ट है कि ट्रम्प अपने ही शब्दों की रक्षा नहीं कर पाते। ईश्वर ही जाने, वे भला चाहते क्या हैं ?

कटक के मेडिकल कॉलेज में दिल दहलाने वाला हादसा

आईसीयू में लगी आग... सो रहे थे मरीज, 10 की मौत

कटक. एजेंसी

यहां मेडिकल कॉलेज में आज तड़के एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के आईसीयू में भीषण आग लग गई जिसमें अब तक 10 मरीजों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि आग सुबह करीब 2.30 बजे के बीच लगी। एक अधिकारी ने बताया, आग अस्पताल के ट्रॉमा केयर विभाग के आईसीयू में भड़की थी और देखते ही देखते उसने बड़ा रूप ले लिया। यहां उन मरीजों का इलाज चल रहा था जिनकी हालत बहुत गंभीर थी। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तुरंत अस्पताल पहुंचीं। दमकल

कर्मियों ने अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश में अस्पताल के 11 कर्मचारी भी झुलस गए। कुल 23 मरीजों को आनन-फानन में दूसरे विभागों और वार्डों में शिफ्ट किया गया। इस बचाव कार्य में अस्पताल के कर्मचारियों, पुलिस और मरीजों के साथ आए लोगों ने भी सहयोग किया।

हादसे की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट-सर्किट हो सकती है। आग ने ट्रॉमा केयर आईसीयू के साथ-साथ पास के कुछ और वार्डों को भी अपनी चपेट में ले लिया था। मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सरकार ने हर मृतक के परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। फिलहाल अस्पताल में स्थिति को संभालने की कोशिश की जा रही है और मामले की गहराई से जांच हो रही है।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला बंगाल के मुख्य व गृह सचिव हटे

कोलकाता. एजेंसी

विधानसभा चुनाव की घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और गृह सचिव को बदलने का फैसला किया है। चुनाव की तारीखों के एलान के बाद देर रात आयोग ने यह आदेश जारी किया। आयोग के निर्देश के अनुसार राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह अब दुष्यंत नारियावाला को नया मुख्य सचिव बनाया गया है। इसके साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा को भी उनके पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह संघमित्रा घोष को नया गृह सचिव नियुक्त किया गया है। इस बीच, सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि पुलिस महानिदेशक और कोलकाता के पुलिस कमिश्नर भी हटाए जा सकते हैं। चुनाव की घोषणा होते ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है। आयोग को प्रशासनिक स्तर पर कई विशेष अधिकार मिल जाते हैं।

मेट्रो एंकर | फर्जीवाड़ा ऐसा भी... अब चार हजार लोगों से होगी वसूली, पेनल्टी भी लगेगी

एयर इंडिया कर्मियों ने फ्री यात्रा के लिए मिली टिकट ब्लैक में बेच दी

नईदिल्ली. एजेंसी

देश और दुनिया में तरह-तरह के घोटाले और फर्जीवाड़े सामने आते रहते हैं लेकिन एयर इंडिया में एक नया फ्रॉड सामने आया है। सालभर में फ्री मिलने वाली 14 हवाई जहाज की टिकटों को हजारों कर्मचारियों ने बाहरी लोगों को अपना रिश्तेदार बताकर ब्लैक में बेच डाला। जांच में यह फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद अब एयर इंडिया ऐसे फर्जीवाड़ा करने वाले अपने कर्मचारियों पर भारी पेनल्टी लगाते हुए उनसे इसकी रिकवरी करेगी।

सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया में

काम करने वाले कर्मचारियों को इंप्लाई लेजर ट्रैवल पॉलिसी के तहत हर साल 14 फ्री एयर टिकट मिलती हैं। यह टिकट कर्मचारियों के खुद और उनके परिवार के लिए होती हैं। लेकिन, जांच में सामने आया है कि कुल 24 हजार कर्मचारियों में से करीब चार हजार कर्मचारियों ने अपनी फ्री टिकटें अपने घर-परिवार में इस्तेमाल ना करके बाहरी लोगों को बेच दीं। कई कर्मचारियों ने उन लोगों को अपना रिश्तेदार बताकर इस नीति का दुरुपयोग किया, जिनसे उनका कोई संबंध नहीं था। कुछ मामलों में तो कर्मचारियों ने मुफ्त टिकट लेकर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचा। एयर इंडिया कर्मचारियों ने इसके लिए दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा करते हुए यह कारनामा किया। कंपनी के पास पहुंची शिकायतों की जांच की गई तो यह मामला पकड़ में आया। एयर इंडिया ऐसे कर्मचारियों को रिकवरी नोटिस दे रही है। साथ ही इनके उपर भारी पेनल्टी भी लगा रही है। हो सकता है आगे इन पर अनुशासन की कार्रवाई भी की जाए।

अब हो रहा नियमों में बदलाव

टाटा ग्रुप ने जनवरी, 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। इस समय एयरलाइन एक महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना को लागू कर रही है। एयर इंडिया में कुल 24,000 से अधिक कर्मचारी हैं। इसके अलावा एयर इंडिया ने अपनी इस फ्री टिकट वाली स्कीम में भविष्य में गोरखधंधा रोकने के लिए नियमों में बदलाव भी किया है। इसमें फ्री टिकट का इस्तेमाल करने वाले की पूरी डिटेल पहले ही सबूत के साथ बतानी होगी।

लगातार खुदाई से सड़कें बदहाल

भोपाल। राजधानी के व्यस्ततम मार्गों में से एक होशंगाबाद रोड इन दिनों लगातार हो रही खुदाई के कारण बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और अधूरी मरम्मत के चलते रोजाना हजारों वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार प्रशासन इस ओर ध्यान देता नजर नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि अलग-अलग विभागों द्वारा बार-बार सड़क की खुदाई तो कर दी जाती है, लेकिन उसके बाद सही तरीके से मरम्मत नहीं की जाती। कई जगहों पर गड्ढे खुले पड़े हैं और कहीं मिट्टी डालकर काम अधूरा छोड़ दिया गया है। इससे सड़क ऊबड़-खाबड़ हो गई है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। इस मार्ग से रोजाना दफ्तर जाने वाले कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र और भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। खराब सड़क के कारण ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो जाती है और जाम जैसी स्थिति बन जाती है। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है, क्योंकि गड्ढों से बचते-बचाते चलना पड़ता है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और नगर निगम से शिकायत भी की गई, लेकिन अभी तक सड़क की स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई। लोगों का आरोप है कि काम पूरा होने के बाद सड़क को सही तरीके से ठीक नहीं किया जाता, जिससे थोड़े समय में ही फिर समस्या खड़ी हो जाती है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि होशंगाबाद रोड पर हो रही खुदाई के बाद जल्द से जल्द सड़क की गुणवत्ता के साथ मरम्मत कराई जाए, ताकि रोजाना सफर करने वाले लोगों को राहत मिल सके और दुर्घटनाओं की संभावना भी कम हो।

शिकंजा कसने के लिए विशेष टीम का गठन

भू माफिया की खैर नहीं : प्रशासन-नगर निगम का संयुक्त प्रहार, कॉलोनाइजरों पर FIR की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में सक्रिय भूमाफिया और अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ जल्द ही सख्त कार्रवाई होने जा रही है। जिला प्रशासन के निर्देश के बाद नगर निगम ने भी अवैध कॉलोनियों को विकसित करने वालों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष टीम का गठन कर दिया है। प्रशासन और नगर निगम की टीम ने शहर और उसके आसपास विकसित हो रही कॉलोनियों की जांच शुरू कर दी है।

अवैध कॉलोनियां काटने वाले कॉलोनाइजरों और भूमाफिया को नोटिस जारी कर उनसे कॉलोनी विकसित करने की अनुमति से जुड़े दस्तावेज मांगे गए हैं। जिन लोगों ने कलेक्टर न्यायालय में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार बिल्डर, कॉलोनाइजर, किसान और अन्य मिलाकर करीब 113 लोगों पर मामला दर्ज किया जा सकता है। नगर निगम की टीम उन कॉलोनियों की भी पहचान करेगी, जो अब तक प्रशासन की नजर से बची हुई हैं। इसके

साथ ही शहर में आयोजित होने वाले प्रापर्टी मेलों की भी जांच की जाएगी, ताकि अवैध रूप से प्लॉट बेचने की गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

शहर में प्रॉपर्टी के दामों में तेजी से बढ़ोतरी के कारण लोग अब शहर की सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन खरीदने लगे हैं। इसी का फायदा उठाकर कई कॉलोनाइजर अवैध कॉलोनियां विकसित कर रहे हैं। प्रशासन की जांच में सेवनिया ओंकारा, कोटरा, पिपलिया बेरखेड़ी, कुराना, छावनी पठार और कोलुआ खुर्द सहित कई क्षेत्रों में अवैध कालोनियां विकसित होने की जानकारी सामने आई है।

706 लोकेशन कम की गईं

नई कलेक्टर गाइडलाइन में कुल 706 लोकेशन कम कर दी गई हैं। पहले जहां 2,881 लोकेशन शामिल थीं, वहीं अब केवल 2,175 लोकेशन को ही गाइडलाइन में रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार कई क्षेत्रों में सरकारी परियोजनाएं शुरू होने के कारण वहां किसी प्रकार की वृद्धि प्रस्तावित नहीं की गई है। कलेक्टर गाइडलाइन के प्रस्ताव के अनुसार शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रॉपर्टी के दामों में बड़ी वृद्धि की तैयारी है। करोंद, पलासी, गांधीनगर, बैरागढ़, परवलिया सड़क, अयोध्या बायपास, आनंद नगर, रातीबड़, नीलबड़ और कोलार सहित कई क्षेत्रों में जमीन की कीमतों में 20 से 100 प्रतिशत तक वृद्धि प्रस्तावित की गई है। इसके अलावा रायसेन रोड, विदिशा रोड, बैरसिया रोड, नर्मदापुरम रोड, भोपाल-इंदौर रोड, भोपाल बायपास, बंगरसिया, 11 मील और कटारा हिल्स जैसे क्षेत्रों में भी कीमतों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है।

ऑयल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई शुरू की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गैस सिलेंडर के संकट से थोड़ी राहत मिलनी शुरू हुई है। स्टॉक खत्म होने की वजह से भोपाल में कुछ गैस एजेंसी बंद रहीं। इस वजह से कांग्रेस और उपभोक्ताओं ने हंगामा किया। दूसरी ओर, ऑयल कंपनियों ने रविवार से ही सिलेंडर की सप्लाई शुरू कर दी। भोपाल के फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया, कमर्शियल सिलेंडर की 6 दिन से सप्लाई नहीं हुई, लेकिन भौंरी स्थित डिपो से कमर्शियल सिलेंडर से गाड़ियां लोड होने लगी। सोमवार से इसकी सप्लाई शुरू कर देंगे।

रविवार को आधा दर्जन गैस एजेंसियों के बंद होने की जानकारी मिली थी। टीमें मौके पर भेजी थी। ये स्टॉक नहीं होने की वजह से बंद थी। डिपो से रविवार को सिलेंडर लोड नहीं होते हैं। फूड कंट्रोलर जादौन ने बताया कि भोपाल जिले में कुल 14 हजार घरेलू सिलेंडर की बुकिंग हुई थी। इसमें से 11 हजार सिलेंडर सप्लाई किए गए। रविवार को जिन एजेंसियों में सिलेंडर थे, वहां पर सप्लाई हुई। घरों में भी डिलीवरी की गई। एमपी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने बताया, लगातार 6-7 दिन से प्रदेश के किसी भी होटल या रेस्टोरेंट को एक भी कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई नहीं हुई। अब सरकार ने हमें भी सिलेंडर देने की बात कही है। यह प्रदेश की होटल इंडस्ट्री के लिए ऑक्सीजन मिलने जैसा है। सिलेंडर नहीं मिलने की वजह से 50 हजार से ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर थे। यहां गैस का स्टॉक खत्म हो गया है। वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इंडक्शन, डीजल भट्ठी के इंतजाम जरूर किए हैं, लेकिन यह बहुत ही खर्चिला है। इसलिए मेन्यू में बदलाव करने की गाइडलाइन जारी की। सिलेंडर की कमी और ग्राहकों की संख्या कम होने के बावजूद प्रदेश के किसी भी होटल या रेस्टोरेंट से कर्मचारियों को नहीं निकाला गया।

जानकारी के अनुसार आज से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई शुरू होगी। भोपाल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने बताया, गैस की किल्लत की वजह से अधिकांश होटल-रेस्टोरेंट संचालकों ने इंडक्शन, इलेक्ट्रिक ग्रिडल या फ्रायर, इलेक्ट्रिक कुकर और स्टीमर आदि का उपयोग करना शुरू किया। सिलेंडर मिलेंगे तो यह बड़ी राहत वाली बात है।

समर शेड्यूल में एक भी नई लेट नाइट उड़ान शामिल नहीं की गई

24 घंटे स्लॉट की पेशकश, फिर भी रुचि नहीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इस माह के अंत से लागू हो रहे समर शेड्यूल में एक भी लेट नाइट उड़ान शामिल नहीं हो सकी है। एयरपोर्ट अथारिटी ने एयरलाइंस कंपनियों को टाइम लिमिट से हटकर 24 घंटे में किसी भी समय स्लाट देने की पेशकश की है। इसके बावजूद एयरलाइंस कंपनियां रुचि नहीं दिखा रही हैं। फिलहाल लेट नाइट उड़ान के रूप में केवल पुणे रूट पर एक उड़ान है। एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से लंबे समय से दिल्ली, मुंबई, कोलकात्ता एयरपोर्ट्स की तरह 24 घंटे उड़ान संचालन को बढ़ावा दे रही हैं, लेकिन एयरलाइंस कंपनियां इसमें रूचि नहीं ले रही हैं। राजा भोज एयरपोर्ट पिछले डेढ़ साल से 24 घंटे खुल रहा है। इस अवधि में इंडिगो ने ही एक स्थाई पुणे उड़ान प्रारंभ की। कुछ समय के लिए मुंबई उड़ान प्रारंभ हुई फिर बंद हो गई। भोपाल से बेंगलुरू के लिए लंबे अर्से से लेट नाइट उड़ान की जरूरत महसूस की जा रही है। इस रूट पर दो नियमित उड़ाने हैं इसके बावजूद सस्ते टिकट नहीं मिलते। लेट नाइट उड़ानों में आमतौर पर सस्ते किराये में सीटों की बुकिंग होती है। एयरलाइंस कंपनियां देर रात को विमान पार्किंग में खड़े करने के बजाय ऐसे रूट पर इनका संचालन करती हैं जहां से 70 प्रतिशत से अधिक पैंसेजर लोड मिल सके। भोपाल से पुणे के बीच 80 प्रतिशत बुकिंग हो रही है। यदि बेंगलुरु, मुंबई एवं दिल्ली तक देर रात की उड़ानें प्रारंभ हो जाएं तो यात्रियों को बड़ी राहत मिल सकती है। 29 मार्च से लागू हो रहे समर शेड्यूल में भोपाल से केवल नवी मुंबई तक एक उड़ान प्रारंभ हो रही है। मुंबई की एक उड़ान बंद होने का प्रस्ताव है। एयर इंडिया की मार्निंग उड़ान भी एक माह के लिए बंद हो रही है। गोवा एवं अहमदाबाद उड़ान भी बंद करने का प्रस्ताव है। यानि पहली बार समर सीजन में भोपाल से एयर कनेक्टिविटी बढ़ने के बजाय कम होने जा रही है। समर शेड्यूल करीब छह माह लागू रहता है। मिड सीजन में कुछ नए रूट भोपाल से जुड़ेंगे। एयर इंडिया ने तकनीकी कारण से दिल्ली उड़ान एक माह के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। अगले दो-तीन माह में एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। लेट नाइट उड़ानें शुरू कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

देवलिया पत्रकारिता सम्मान से अलंकृत हुईं दीप्ति चौरसिया

भोपाल। सप्रे संग्रहालय में आयोजित भुवनभूषण देवलिया स्मृति व्याख्यानमाला समिति के विशेष कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार दीप्ति चौरसिया को वर्ष 2026 का राज्यस्तरीय 'भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान' प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक, प्रभावशाली और सार्थक योगदान के लिए दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'पत्रकारिता में महिलाओं की चुनौतियां' रहा, जिस पर देश-प्रदेश के पत्रकारों, मीडिया विशेषज्ञों और बुद्धिजीवियों ने गंभीर विमर्श किया। इस अवसर पर दीप्ति चौरसिया की पत्रकारिता यात्रा, उनकी संपादकीय दृष्टि और सार्वजनिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद दीप्ति ने कहा कि पत्रकारिता समाज के प्रति जिम्मेदारी का माध्यम है और इसमें महिलाओं की भागीदारी जितनी मजबूत होगी, मीडिया उतना ही संवेदनशील और संतुलित बनेगा।

माता मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

संतनगर। नुक्कड़ वाली माता मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ होता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। आचार्य पंडित रवि पटेरिया जीवन प्रसाद तिवारी ने बताया कि नुक्कड़ वाली माता की विशेष कृपा हमेशा धार्मिक आयोजन होते रहते हैं चैत्र नवरात्रि पर भी दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाएगा। हनुमान जन्मोत्सव पर सुंदरकांड का पाठ भंडारी का आयोजन किया जाएगा।

प्रेस क्लब के होली मिलन में गुलाब की महक और चंदन की सुगंध

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में एक बार फिर सौहार्द, स्नेह और सांस्कृतिक परंपरा के अद्भुत रंग बिखरे। मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के बैनर तले आयोजित फूलों की होली ने इस वर्ष भी पत्रकारिता, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को एक ही मंच पर एकत्र कर सौहार्दपूर्ण वातावरण का उदाहरण प्रस्तुत किया। गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा, बाबा महाकाल के अष्टगंध चंदन का तिलक और मालवा के पारंपरिक व्यंजनों की सुगंध से पूरे परिसर में उत्सवधर्मी आध्यात्मिकता दिखाई दी। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए पत्रकारों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने एक-दूसरे का गुलाब की पंखुड़ियों से अभिनंदन किया। इस अवसर पर मालवा के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेते हुए सभी ने आत्मीय संवाद और सौहार्द के रंगों में सराबोर होकर इस पर्व को यादगार बनाया। मध्य प्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष और इस आयोजन के सूत्रधार डॉ. नवीन आनंद जोशी ने बताया कि लगभग 24 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा यह अनूठा होली मिलन समारोह अब प्रदेशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि एक छोटी-सी पहल से प्रारंभ हुआ यह आयोजन आज पत्रकारिता, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद, सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का बड़ा मंच बन गया है।

मेट्रो एंकर मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में 'संभावना' कार्यक्रम आयोजित

लोकनृत्य, गायन और वादन की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गईं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में आयोजित सांस्कृतिक गतिविधि 'संभावना' के तहत लोकनृत्य, गायन और वादन की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोककलाओं का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं गोण्ड जनजाति की उपजाति ढुलिया का पारंपरिक गुदुमबाजा नृत्य भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा। इस नृत्य में गुदुम, डफ, मंजीरा और टिमकी जैसे वाद्यों की ताल पर कलाकारों ने रंगीन वेशभूषा में प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रिया पाटकर एवं साथी (सागर) ने बधाई नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि मायाराम धुर्वे एवं साथी (डिंडोरी) ने गोण्ड जनजातीय गुदुमबाजा नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं रीति पाण्डे एवं साथी (रीवा) ने

बघेली लोकगायन से माहौल को लोकधुनों से सराबोर कर दिया। कबीर भजनों से बांधा समा-कार्यक्रम में रामबाबू मालवीय एवं साथी (शाजापुर) ने कबीर गायन प्रस्तुत किया। उन्होंने 'इनका भेद बाबा मेरे अवधु... ', 'यहां भरियो राम रस खासो... ', 'नगर उड़े झंकार म्हारी हेली...' और 'हेली म्हारी मंदिर में कई ढूंढती फिरे...' जैसे पदों और भजनों को स्वर देकर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। बघेली गीतों ने बढ़ाया लोक रंग-इसके बाद रीति पाण्डे एवं साथी ने बघेली गायन प्रस्तुत किया। उन्होंने 'निमिया के पेड़ बड़ा भारी... ', 'लक्ष्मण लिहे बांण रामा... ', 'महुआ विनय हम ना...' और 'बन बोले मोर...' जैसे गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को लोक संस्कृति की झलक दिखाई। कार्यक्रम में बुंदेलखंड अंचल का पारंपरिक बधाई नृत्य भी प्रस्तुत किया गया, जो जन्म, विवाह और त्योहारों के अवसर पर किया जाता है।

मोहन के नेतृत्व में समृद्ध हो रहे मप्र के अन्नदाता

कभी बीमारू राज्य और विकास की दौड़ में पिछड़ा माना जाने वाला मध्यप्रदेश आज आत्मनिर्भरता, कृषि समृद्धि और तीव्र आर्थिक विकास का प्रतीक बन चुका है। यह परिवर्तन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व, सरकार की योजनाबद्ध नीतियों और किसानों की अटूट मेहनत का परिणाम है। मध्यप्रदेश अब न केवल विकास दर में अग्रणी है, बल्कि खाद्यान्न उत्पादन में भी देश में नई पहचान बना चुका है। यही कारण है कि भारत का हृदय प्रदेश अब देश का नया फूड-बास्केट कहलाने लगा है।

मध्यप्रदेश बना भारत का फूड-बास्केट
कृषि विकास में रचा इतिहास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कहना है कि मध्यप्रदेश ने कृषि और उससे सम्बद्ध क्षेत्रों में जो आशातीत प्रगति की है, उसमें हमारे अन्नदाताओं की महती भूमिका है। बीते वर्षों में मध्यप्रदेश ने कृषि उत्पादन, सिंचाई विस्तार और किसानों की आय वृद्धि के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर देश का नया फूड बास्केट बनने का गौरव प्राप्त किया है। राज्य की विकास दर अब डबल डिजिट में पहुंच चुकी है, जिसमें कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों का सबसे बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने का संकल्प लिया है। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, पर्याप्त बिजली आपूर्ति, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी, भावांतर भुगतान योजना और कृषि यंत्रीकरण ने किसानों से जीवन में खुशहाली आ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आज मध्यप्रदेश गेहूं, चना, मसूर, सोयाबीन और तिलहन उत्पादन में देश में अग्रणी बन चुका है। पंजाब और हरियाणा जैसे परम्परागत कृषि सम्पन्न राज्यों को कई फसलों के उत्पादन में पीछे छोड़ना राज्य के किसानों की मेहनत और सरकार की संवेदनशील नीतियों का ही परिणाम है। हमने कृषि के साथ-साथ डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्रों में भी राज्य ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग इकाइयां और कोल्ड स्टोरेज चेन जैसे अनेक कदम किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य दिलाने में मददगार सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है - हर खेत तक पानी, हर किसान तक प्रगति और हर घर तक समृद्धि। मध्यप्रदेश का किसान अब सिर्फ़ अन्नदाता नहीं, बल्कि खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत का निर्माणकर्ता बन चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और राज्य के पूरे कृषि अमले को इस राष्ट्रीय उपलब्धि की ओर बढ़ने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश देश की खाद्य सुरक्षा को सशक्त करेगा, बल्कि वैश्विक कृषि मानचित्र पर भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

कृषि समृद्ध प्रदेश बनने की कहानी

कभी सीमित सिंचाई साधनों, अस्थिर बिजली आपूर्ति और अपर्याप्त अवसंरचना के कारण मध्यप्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था घाटे में चल रही थी। किसानों की आमदनी सीमित थी और ग्रामीण जीवन में भी कुछ कठिनाइयां थीं। परंतु बीते दो दशकों में परिदृश्य पूरी तरह बदल गया है। सरकार ने कृषि और ग्रामीण विकास को अपनी नीतियों के केंद्र में रखकर जो कार्य किया, उसने राज्य की तस्वीर ही बदल दी। हाल ही में हुए आर्थिक सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश ने 24 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की है, जो राष्ट्रीय विकास औसत से कहीं अधिक है। यह प्रगति बताती है कि मध्यप्रदेश अब आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

धान उत्पादन

धान की फसल उत्पादन मामले में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। बालाघाट, बैतूल, मंडला, सिवनी और डिंडोरी जैसे जिले अब धान की नई मंडियां बन गए हैं। यहीं से देश के विभिन्न हिस्सों में खाद्यान्नों की आपूर्ति होती है।

खेती-किसानी की बदलती परिभाषा

मध्यप्रदेश के किसान अब पारम्परिक खेती तक सीमित नहीं हैं। वे नई तकनीकों और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार ला रहे हैं। ड्रिप इरिगेशन, ऑर्गेनिक फार्मिंग, मल्टीक्रॉपिंग और फसल विविधीकरण जैसे नवाचारों ने कृषि को एक व्यावसायिक रूप दिया है। प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान केंद्रों और कृषि विज्ञान केंद्रों की सक्रिय भूमिका ने किसानों को नवीनतम जानकारी सहित प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया है। अब किसान बाजार की मांग के अनुसार फसलें पैदा कर रहे हैं और निर्यात की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं।

कृषि विकास में आई नई क्रांति

मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा विकास कृषि क्षेत्र में देखा गया है। बीते वर्षों में राज्य सरकार ने कृषि को सिर्फ़ आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि का आधार बनाने का संकल्प लिया। किसानों को फसल उत्पादन की लागत में राहत देने, खेती को लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं लागू की गईं। कृषक कल्याण मिशन के जरिए किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सभी जतन किए जा रहे हैं। भावांतर भुगतान योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फ़सल खरीदी और इस खरीदी पर बोनस राशि भी देने जैसे प्रयासों ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। इसके अलावा उन्नत कृषि उपकरणों पर सब्सिडी और प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की कोशिशों ने भी खेती-किसानी को और अधिक रूचिकर, उत्पादक और टिकाऊ बनाया है। राज्य में सिंचाई सुविधाओं का खेत तक विस्तार भी एक मील का पत्थर साबित हुआ है। नर्मदा घाटी विकास परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदियों को आपस में जोड़ने और केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी लिंक जैसी परियोजनाओं से लाखों हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को सिंचाई सुविधा के दायरे में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति के सुदृढ़ीकरण से रबी सीजन में फसलों की उत्पादन क्षमता कई गुना बढ़ गई है।

खाद्यान्न उत्पादन में नया इतिहास

आज मध्यप्रदेश गेहूं, धान, चना, मसूर, सरसों और सोयाबीन जैसी फसलों के उत्पादन में अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य के कृषि विभाग के अनुमान के अनुसार, बीते वर्षों में प्रदेश का अनाज उत्पादन लगभग दोगुना हो गया है। गेहूं उत्पादन में मध्यप्रदेश अब देश का सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक राज्य बन चुका है। उत्पादन और गुणवत्ता दोनों ही स्तरों पर राज्य ने पंजाब और हरियाणा जैसे कृषि संपन्न राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। दलहन और तिलहन उत्पादन जैसे चना, मसूर और सोयाबीन की पैदावार ने किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। मध्यप्रदेश अब देश के कुल चना उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है।

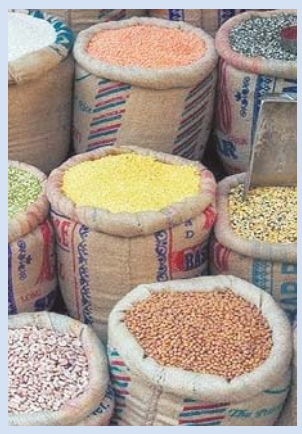

किसानों की समृद्धि से ग्रामीण विकास

कृषि एवं इससे सम्बद्ध क्षेत्रों में आमूलचूल प्रगति ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान फूंक दी है। गांवों में रोजगार के नए अवसर बढ़े हैं, कृषि-आधारित उद्योगों का विकास हुआ है और युवाओं में खेती को लेकर नया उत्साह पैदा हुआ है। जहां पहले खेती घाटे का सौदा मानी जाती थी, वहीं आज यह आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक बन चुकी है। कृषि उपज मंडियों का डिजिटलीकरण, e-NAM पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन बिक्री की सुविधा और मूल्य पारदर्शिता ने किसानों को बाजार की बेहतर समझ विकसित कर समुचित कीमत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

कृषि से औद्योगिक विकास तक

मध्यप्रदेश की तेज कृषि विकास दर देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश कृषि आधारित उद्योगों और एग्रो प्रोसेसिंग का केंद्र बनने जा रहा है। राज्य में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, कोल्ड स्टोरेज और लॉजिस्टिक हब के निर्माण से कृषि उत्पादों के निर्यात की संभावना बढ़ेगी। सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना भी इस दिशा में मददगार सिद्ध हो रही है। यह किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में तो कारगर है ही, ग्रामीण रोजगार को भी यह योजना स्थायी बना रही है।

नया मध्यप्रदेश, नया आत्मविश्वास

मध्यप्रदेश आज बड़े आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। अब यह राज्य विकास के नए अध्याय लिख रहा है। गांव से शहर तक, खेत से बाजार तक, फ़ार्म टू लैब हर जगह परिवर्तन की एक नई लहर महसूस की जा रही है। प्रदेश के किसान अब सिर्फ अन्नदाता नहीं रहे, बल्कि राष्ट्र निर्माता और ऊर्जादाता भी बन रहे हैं। किसानों को उनके खेत में सोलर पम्प लगाने के लिये अनुदान योजना प्रारंभ की गई है। किसानों के परिश्रम और सरकार की किसान हितैषी संवेदनशील नीतियों ने मध्यप्रदेश को उस ऊंचाई पर पहुंचा दिया है, जिसकी कल्पना भी कभी दूर की कौड़ी लगती थी।

D-19360/25

भारत के लिए सबक

पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल एक क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि बदलते वैश्विक सैन्य परिदृश्य की भी झलक देता है। यह कहना कठिन है कि यह त्रिकोणीय टकराव किस दिशा में जाएगा, लेकिन इतना स्पष्ट है कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे समय में भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल घटनाओं का इंतजार न करे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपनी रक्षा रणनीति को लगातार मजबूत करता रहे। इसी सोच के साथ भारत सरकार ने हाल ही में रक्षा बल विजन-2047 का दस्तावेज जारी किया है। इसका उद्देश्य स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को सैन्य और तकनीकी रूप से अधिक आत्मनिर्भर बनाना है। रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमता विकसित करना इस योजना का प्रमुख लक्ष्य है। दरअसल, भारत की रक्षा नीति ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां पारंपरिक सैन्य शक्ति और उभरती तकनीकों के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी हो गया है। अमेरिका द्वारा पनडुब्बी से टॉरपीडो के इस्तेमाल से यह संकेत मिलता है कि महंगे लड़ाकू विमानों के बजाय कभी-कभी पारंपरिक सैन्य साधन भी निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। दूसरी ओर ईरान ने ड्रोन और मिसाइलों पर आधारित रणनीति अपनाई है, जो अपेक्षाकृत कम लागत में प्रभावी सैन्य क्षमता प्रदान करती है। यह परिदृश्य दिखाता है कि भविष्य के युद्ध केवल महंगे हथियारों पर निर्भर नहीं रहेंगे। भारत के लिए वायु शक्ति का महत्व भी कम नहीं है। फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के शामिल होने से भारतीय वायुसेना की क्षमता मजबूत हुई है। अपनी बहुउद्देश्यीय क्षमता और आधुनिक तकनीक के कारण यह विमान आधुनिक युद्ध के लिए अत्यंत उपयोगी माना जाता है। यदि इनके निर्माण और रखरखाव में भारत की औद्योगिक भागीदारी बढ़ती है, तो इससे घरेलू रक्षा उद्योग को भी लाभ मिल सकता है। रडार को भ्रमित करना, संचार नेटवर्क को बाधित करना और उपग्रह प्रणालियों को प्रभावित करना आज की सैन्य रणनीति का हिस्सा बन चुके हैं। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी तत्काल सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ स्वदेशी अनुसंधान और उत्पादन क्षमता को भी मजबूत करे। अगर भारत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, ड्रोन तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों में निवेश बढ़ाता है, तो वह वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान हासिल कर सकता है। पश्चिम एशिया का संघर्ष केवल एक युद्ध नहीं, बल्कि भविष्य के युद्धों का संकेत भी है। भारत को इससे सबक लेते हुए अपनी दीर्घकालिक रक्षा रणनीति तैयार करनी होगी।

ऊर्जा संकट पर राहुल की बॉक्सिंग और मोदी का सूर्य नमस्कार

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

राहुल गांधी को बचपन से बॉक्सिंग का शौक है और राजनीति में भी उनकी शैली वही है। बॉक्सिंग मुकाबले में कम समय में हार जीत का फैसला हो जाता है। जबकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी प्रारंभिक काल से सूर्य नमस्कार के साथ अधिक समय और संयम से अधिकाधिक समय शांत भाव से शक्ति अर्जन और उसके दूरगामी लाभ पर ध्यान देते रहे हैं । वर्तमान में पश्चिम एशिया के युद्ध के कारण ऊर्जा के वैश्विक संकट - खासकर पेट्रोलियम और गैस की आवश्यकताओं पर राहुल गाँधी तथा उनकी कांग्रेस पार्टी संसद के अंदर बाहर बहुत हंगामा कर रही है। लोक सभा में तो राहुल गांधी पेट्रोल गैस पर चार लाइन बोलकर अमेरिकी विवाद में भारत , मंत्री परिवार , अमेरिकी दबाव में झुकने के अनर्गल मुद्दे उठाने लगे और आगे इस प्रलाप पर अध्यक्ष की अनुमति न मिलने पर हंगामा किया । संसद के गेट पर चाय का मजा लेते हुए धरना प्रदर्शन कर दिया। यही नहीं टी वी के लिए दो चार वाक्य बोलकर आरोप लगाया कि पी एम् मोदी की सरकार ने ऊर्जा के लिए पहले से कोई नीति और व्यवस्था नहीं की। जबकि मोदी सरकार की और से पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने विस्तृत वक्तव्य देकर विश्वास दिलाया कि पेट्रोल गैस की कमी नहीं है और ऊर्जा संकट से निपटने तथा 40 देशों से कच्चे तेल के आयात के अनुबंधों से भविष्य में आपूर्ति के इंतजाम हैं।

राहुल गांधी करीब 22 वर्षों से सांसद हैं , जिनमें 10 वर्ष उनकी यानी कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार थी। उन्होंने तबसे अब तक कितनी बार ऊर्जा की नीतियों , कार्यक्रमों पर संसद के अंदर या बाहर बोला ? विशेष रूप से सबसे कम खर्च और मुफ्त मिल सकने वाली सौर ऊर्जा को प्राथमिकता पर अपनी या पराई सरकार का ध्यान आकर्षित किया ? हम जैसे पत्रकारों को उनकी सरकार और पार्टी के नेता या राजदूत बताते थे कि कच्चे तेल के कुँए अफ्रीकन देशों में खरीदने के प्रस्ताव टाल दिए गए। तेल आयात में कमीशन पाने में बड़े नेताओं की रूचि रहती थी। कोयला घोटाला किस राज में हुआ ? हाँ, प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह सरकार के कुछ सहयोगियों, सलाहकारों और राज्य सरकारों के प्रयासों से सौर ऊर्जा के लिए स्वीकृतियां मिली।

नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद (2014-2025) सौर ऊर्जा की योजनाओं का विस्तार और क्रियान्वयन सूर्य की रोशनी की तरह तेजी से हुआ है। इस अवधि में सौर ऊर्जा की क्षमता कई गुना बढ़ी, बड़े सोलर पार्क बने, घरेलू निर्माण उद्योग विकसित हुआ और भारत वैश्विक सौर ऊर्जा नेतृत्व की ओर बढ़ा। आज सौर ऊर्जा भारत की ऊर्जा नीति का केंद्रीय स्तंभ बन चुकी है। यदि वर्तमान गति बनी रहती है तो आने वाले दशक में भारत दुनिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो सकता है। सौर ऊर्जा तथा अन्य तरीकों से बिजली , गैस आदि के उत्पादन में बढ़ोतरी से कच्चे तेल के आयात में निरंतर कमी हुई। इसका लाभ वर्तमान वैश्विक पेट्रोल गैस की गड़बड़ाई अर्थ व्यवस्था में भारत को बहुत अधिक सुरक्षित रखने में हो पा रहा है।

एक और तथ्य। राहुल गांधी एंड कंपनी भूल जाती है कि जिन अडानी - अम्बानी को वे दस साल से कोस रहे हैं , उन समूहों और अन्य बड़े औद्योगिक समूहों ने ऊर्जा क्षेत्र खासकर सौर ऊर्जा परियोजनाओं में लाखों करोड़ों रुपयों का पूंजी निवेश हाल के वर्षों में किया है। इसमें कोई शक नहीं कि आज भी सौर ऊर्जा क्षेत्र में चीन दुनिया में सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है। भारत तीसरे स्थान पर पहुँच गया है। चीन के आगे होने के कई कारण हैं। जैसे विशाल घरेलू सोलर उद्योग , सोलर पैनल निर्माण में विश्व नेतृत्व, बड़े सरकारी निवेश और विशाल रेगिस्तानी क्षेत्र। आज दुनिया के अधिकांश सोलर पैनल चीन में बनते हैं। इस पर ध्यान आया , कांग्रेस राज में केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मुझे अनौपचारिक बातचीत में अपना दर्द बताया था कि जाने क्यों सरकार चीन की कंपनियों के सोलर पैनल खरीदने पर दबाव बनाती है , जबकि भोपाल के हेवी इलेक्ट्रिकल्स में बने सोलर पैनल उससे बेहतर होते हैं। मतलब चीनी कंपनियों से किसी को कुछ मोटा कमीशन मिल रहा होगा।

बहरहाल, मोदी सरकार की नीतियों और निजी निवेश के संयोजन से भारत आज दुनिया के सबसे बड़े सौर ऊर्जा बाजारों में शामिल हो गया है। यदि वर्तमान गति बनी रहती है तो आने वाले दशक में भारत विश्व के सबसे बड़े सौर ऊर्जा देशों में शामिल हो सकता है। बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए 15 'सोलर पार्क मॉडल' विकसित किए गए हैं । इस मॉडल में सरकार भूमि, ट्रांसमिशन और बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराती है और निजी कंपनियाँ बिजली उत्पादन करती हैं।राजस्थान और गुजरात भविष्य में भी भारत के सोलर केंद्र रहेंगे। कच्छ और थार रेगिस्तान में विशाल सोलर पार्क बन रहे हैं। अडानी और अंबानी समूह ने विशाल ग्रीन एनर्जी परियोजनाएँ शुरू की हैं, जबकि टाटा और बिरला समूह सौर ऊर्जा उत्पादन और तकनीक में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अडानी समूह भारत का सबसे बड़ा निजी नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक बन चुका है। अडानी समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 230,000 करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है। इसमें प्रमुख हिस्सा सौर ऊर्जा परियोजनाओं का है। मुकेश अम्बानी की रिलायंस ने लगभग 75 अरब डॉलर (लगभग रु. 6 लाख करोड़) का निवेश ग्रीन एनर्जी में करने की घोषणा की है। इसमें शामिल हैं सोलर पैनल निर्माण , बैटरी निर्माण , ग्रीन हाइड्रोजन आदि। जामनगर में धीरूभाई ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन एनर्जी कॉम्प्लेक्स में से एक बनने की योजना है ।टाटा समूह की टाटा पावर ने1.25 लाख करोड़ निवेश योजना घोषित की है , जो 2030 तक पूरी हो जाएगी। टाटा पावर भारत की सबसे बड़ी रूफटॉप सोलर कंपनियों में से है।आदित्य बिड़ला समूह पवन ऊर्जा में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहा है। इस तरह केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर जमीन तथा अन्य सुविधाओं से अपनी बिजली उत्पादन क्षमता निरंतर बढ़ा सकती हैं। राजस्थान , गुजरात , मध्य प्रदेश और कुछ दक्षिणी राज्यों को बहुत सफलता मिल रही है। आश्चर्य यह है कि अपार संभावनाओं के बावजूद बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे पीछे हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

टचिंग ग्रास की रिपोर्ट, डिजिटल अलगाव नहीं, अब परिवेश से जुड़ाव की ओर जूमर्स

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
स्तंभकार

जूमर्स का इतनी जल्दी आभासी दुनिया से मोहभंग होगा, यह समझ से परे है पर टचिंग ग्रास की हालिया रिपोर्ट से यही सामने आ रहा है। दरअसल, साल 1997 से 2012 तक की अवधि में आई पीढ़ी को जेन जेड या जूमर्स पीढ़ी के रुप में जाना जाता है। यह पीढ़ी इंटरनेट और स्मार्टफोन के साथ पली-बढ़ी पीढ़ी है। डिजिटल सेवी होने से आभासी दुनिया में इस पीढ़ी का अलग ही अनुभव रहा है। पर बहुत कम समय में आभासी दुनिया से इस पीढ़ी का तेजी से मोहभंग हो रहा है। सोशियो-साइको भाषा में कहा जाए तो जूमर्स एनालॉग पुनर्जागरण के दौर में आ गए हैं।

आभासी दुनिया के साथ इस पीढ़ी में जो तेजी से बदलाव देखा जा रहा है वह अब अलगाव की जगह सहभागिता की ओर बढ़ रहा है। एंड्रायड फोन की दुनिया से बाहर निकल कर अब सामाजिक मेल-मिलाप और अकेलेपन के स्थान पर सामाजिकता की ओर रुझान दिखाई देने लगा है। कहीं यह भी संकेत मिलने लगा है कि जूमर्स संस्कृति और आधुनिकता के बीच तारतम्य बिठाने की दिशा में बढ़ने लगे हैं। इस पीढ़ी द्वारा अब आभासी अनुभवों के स्थान पर धरातलीय अनुभवों को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। यही कारण है कि जूमर्स में अब पुरातन को नकार और तथाकथित आधुनिकता को स्वीकार के स्थान पर दोनों में सामंजस्य खोजने की नई सोच विकसित होने लगी है। अब डिजीटल अलगाव के स्थान पर जूमर्स मानवीय संवेदना, जमीनी हालातों के साथ बेबाक होने लगे हैं। यह नई तरह की सामाजिक सामंजस्यता है जिसे सकारात्मक बदलाव के रुप में देखा जाना चाहिए।

जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट प्लेटफार्म पर टचिंग ग्रास की हालिया रिपोर्ट में जेन जेड की जीवन शैली और सोच में बदलाव के यह संकेत उभर कर आये हैं। रिपोर्ट के अनुसार जूमर्स की प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव आया है। अब सप्ताहांत ही नहीं बीच में भी घर से बाहर डिनर लेने, आपसी मेल-मिलाप, दो लोगों के साथ समय बिताने, अपने परिवेश से जुड़ने, डिजिटल दुनिया से बाहर आने की सोच बनती जा रही है। यह डिजिटल दुनिया के दौर में सामाजिकता के लिए सकारात्मक बदलाव माना जा सकता है। यह सब तब है जब सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अधिक समय देने के बावजूद जिस तरह की रील्स देखने को मिल रही है वह बदलाव का स्पष्ट संकेत है।

पिछले दिनों बैंक बड़ौदा में खाता खुलवाया लोकप्रिय हुआ या युवाओं द्वारा समूह में सुंदरकांड-हनुमान चालीसा पाठ या भजन गायकी जेन जेड की बदलती मानसिकता की परिचायक है। पिछले दिनों युवाओं में भजन क्लबिंग का दौर देखा जा रहा है। यह बदलाव इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि इंटरनेट-सोशल मीडिया की दुनिया में जूमर्स अब सामाजिकता खोजने लगे हैं। यह सही है कि इंटरनेट की आभासी दुनिया के स्थान पर अपनी सामाजिक गतिविधियों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पदर्शित करने लगे हैं। यह भले रील्स के माध्यम से ही क्यों ना हो। इसका ताजातरीन उदाहरण सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चंग बजाते, फागुनी गीत गाते युवाओं की टीमों को देखा जा सकता है। इसी तरह सोशल मीडिया पर लोकगीतों और लोक परंपराओं की पालन करती महिलाओं को देखना आम होता जा रहा है। यह सोच के बदलाव का ही परिणाम है। अन्यथा हालात ऐसे होते जा रहे हैं कि एक कमरे में बैठे परिवार के सभी सदस्य चाहे बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे, सभी स्क्रीन की दुनिया में खोए हुए देखे जाते हैं। बदलाव का यह दौर अब सोशल मीडिया पर तो सक्रिय है पर यह सक्रियता सामाजिकता को दर्शाती मूल्यात्मक सक्रियता है।

टचिंग ग्रास रिपोर्ट में खासतौर से 11 रुझान देखे गए हैं। इनमें कोलोजन इकोनोमी, एल्गोडिट्च, या एल्गोरिदम, साइडक्वेस्टकोर, मिथ मेकिंग आदि है। जेन जेड युवा की समझ में अब प्रतिस्पर्धा का कोई महत्व ना होकर कोलोजन इकोनोमी यानी एक ही काम करने वाले प्रतिस्पर्धा के स्थान पर परस्पर सांठगांठ या समन्वय से कारोबार को बढ़ाने पर ध्यान देने लगे हैं। सटीक परिणाम पर विश्वास रखने लगे हैं तो स्टेप वाइज आगे बढ़ने की रणनीति अपनाने लगे हैं। परंपरागत सांस्कृतिक परंपराओं का आधुनिक नाइट लाइफ से सामंजस्य बिठाया जाने लगा है। सोच में बदलाव यहां तक देखा जा सकता है कि अब अकेला होना आत्मविश्वास का परिचायक माना जाने लगा है। जूमर्स आज कलम ढूंढने लगे हैं तो कम्प्यूटर पर अंगुलियां चलाने के साथ लिखने का भी महत्व समझने लगे हैं।

सामाजिक विरुपता को जूमर्स समझने लगे हैं और अब उनका प्रयास सामाजिक परिवेश से जुड़ने का होने लगा है। यह बदलाव का साफ संकेत हैं। टचिंग ग्रास की रिपोर्ट्स से सकारात्मक बदलाव का संकेत सामने आने लगा है और इससे यह लगने लगा है कि तकनीक और व्यावहारिक जगत एक-दूसरे के विरोधी ना होकर एक-दूसरे के पूरक हैं और तकनीक के साथ-साथ सामाजिक जुड़ाव शुभ संकेत माना जाना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

आंतों में मौजूद बैक्टीरिया करता है किडनी इंफेक्शन, लक्षणों को न करें नजरअंदाज

शरीर के खून की सफाई और मिनरल्स का बैलेंस बनाने में किडनी का काम काफी महत्वपूर्ण होता है। यह यूरीनरी ट्रैक्ट का सबसे प्रमुख अंग भी है, जिसे इंफेक्शन का खतरा हमेशा बना रहता है। इस खतरे को कम करने के लिए गुर्दे के संक्रमण के पीछे मौजूद कारणों के बारे में पता होना चाहिए, ताकि आप सही कदम उठाकर किडनी हेल्थ को सही रख सकते हैं।

गुर्दों के डॉक्टर अखिलेश यादव के अनुसार पेशाब में जलन की शिकायत किडनी इंफेक्शन के सबसे आम लक्षणों में से एक है। अधिकतर लोग इस बात से जागरूक नहीं हैं कि किडनी इंफेक्शन के खतरे को कम करके पेशाब में जलन या झाग जैसी दिक्कतों को दूर रखा जा सकता है। किडनी इंफेक्शन के आम लक्षणों में तेज बुखार, ठंड लगना, निचली कमर में दर्द, पेट के एक तरफ दर्द, पेशाब करने पर जलन का एहसास होना, पेशाब का बार-बार प्रेशर लगना, पेशाब में झाग या बदबू आना, जी मिचलाना, उल्टी होना और अत्यधिक थकान शामिल हैं। बीमारी के गंभीर होने पर कुछ मामलों में पेशाब के साथ खून आ सकता है, जिससे उसका रंग बदला-बदला दिखता है।

आंतों में मौजूद बैक्टीरिया: गुर्दों में होने वाले संक्रमण का सबसे प्रमुख कारण ई. कोलाई वाले यूरीनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का इलाज ना होना है। यह बैक्टीरिया इंसान की आंतों में मौजूद रहता है। जब यह किसी तरीके से आंतों से यूरीनरी ट्रैक्ट में प्रवेश कर जाता है तो वहां अपनी संख्या बढ़ाने लगता है। जब यह संक्रमण ब्लैडर से ऊपर की तरफ किडनी तक पहुंचता है तो किडनी इंफेक्शन होता है। इसका दूसरा अहम कारण यूरीनरी ब्लॉकेज है। जब किडनी स्टोन या प्रोस्टेट बढ़ने की वजह से पेशाब का नॉर्मल फ्लो बाधित हो जाता है, तो पेशाब अंदर भरा रहता है। यूरीनरी ट्रैक्ट में हर वक्त पेशाब भरा रहने से, वहां बैक्टीरिया के विकास का खतरा रहता है, जो इंफेक्शन कर सकता है।

पर्याप्त पानी पीना जरूरी : हाइड्रेशन को सही रखना सबसे महत्वपूर्ण है। पर्याप्त पानी पीने से बैक्टीरिया को यूरीनरी ट्रैक्ट से फ्लश करने में मदद मिलती है। पर्सनल हाइजीन को फॉलो करने से यूरीनरी सिस्टम में बैक्टीरिया पहुंचने से रोका जा सकता है, आपको खासकर टॉयलेट इस्तेमाल करने के बाद इसका ध्यान रखा चाहिए। पेशाब को लंबे समय तक रोककर रखने से बचें और ब्लैडर को पूरी तरह खाली करें। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर जैसी क्रोनिक डिजीज को मैनेज रखें, क्योंकि यह किडनी को कमजोर करती हैं। कम नमक वाली बैलेंस्ड डाइट लें। रेगुलर एक्सरसाइज करें और दर्द निवारक दवाइयों का अत्यधिक इस्तेमाल ना करें। रेगुलर हेल्थ चेकअप और यूरीनरी इंफेक्शन का जल्दी इलाज करवाने से किडनी इंफेक्शन को दूर रखा जा सकता है।

सुविचार

इस संसार में हर जगह खुशियाँ ही खुशियाँ हैं । बस देखने का नजरिया बदलो...
-अज्ञात

निशाना

समस्याएं नहीं हल लिखें..!

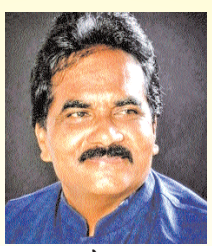

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

समस्याएँ नहीं हल लिखें,
कोई नई ग़ज़ल लिखें,
आज कट गया जैसा था ,
अब सुनहरा कल लिखें,
जिंदगी अनमोल उपहार है,
खूबसूरत हर एक पल लिखें,
दम तोड़ती है मुरझाई नदी,
इसमें बहता हुआ जल लिखें,
कमजोर कदम क्या नापेंगे,
हौसलों से अपनी मंज़िल लिखें,
रावण घूमते हैं राम बनकर ,
इनके पहचान कर छल लिखें,
झोंपड़ियाँ भी बदलें गरीबों की
नाम उनके भी महल लिखें,
कदम बेबस न हो बिटिया के,
चूड़ी बिंदी पायल लिखें,
सत्य कहना ही होगा दोस्तों,
इस तरह 'अमृत ' गरल लिखें।

ग्रह - चर्चा

आचरण मात्र से भी शांत हो सकते हैं ग्रह शुभ प्रभाव मिलने की राह होगी आसान

आशुतोष वार्ष्णेय
ज्योतिषाचार्य

हम सभी जानते हैं कि जैसे मनुष्य कर्म करता है, उसको उसी प्रकार का फल प्राप्त होता है। कर्म फल भी रूप परिवर्तित कर व्यक्ति को देर-सवेर सुख-दुख के रूप में प्राप्त होता है। विज्ञान की भाषा में जिस प्रकार पदार्थ कभी नष्ट नहीं होता है, उसका केवल रूप बदल जाता है, उसी प्रकार किया गया कर्म भी कभी निष्फल नहीं होता है। अपने पूर्व जन्मों में किए गए पापों से रुष्ट ग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ, रत्न धारण आदि का विधान प्राचीन ग्रंथों में वर्णित है। अनुभव में आया है कि यदि हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित करें, तो ग्रह अति शीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं।

धर्मशास्त्रों में सफलता के सूत्र, संकेतों के रूप में रहते हैं। मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, गुरु देवो भव, अतिथि देवो भव, वेद वाणी है। इसी प्रकार शास्त्र कहता है, मात्र प्रणाम करने से, सदाचार के पालन से एवं नित्य वृद्धों की सेवा करने से आयु, विद्या, यश व बल की वृद्धि होती है। यदि हम जीवों के प्रति परोपकार की भावना रखें, तो अपनी कुण्डली में रुष्ट ग्रहों की रुष्टता को न्यूनतम कर सकते हैं। हर व्यक्ति पर किसी न किसी ग्रह का अपना एक विशेष प्रभाव रहता है, इस प्रकार का विशेष प्रभाव उसके आचार-विचार, व्यवहार व जीवन की कुछ विशेष व प्रमुख घटनाओं के माध्यम से प्रकट होता है।

पिता का प्रतिनिधित्व करता है सूर्य : सूर्य आत्मा के साथ-साथ पिता का प्रतिनिधित्व करता है और चंद्रमा मन के साथ-साथ माता का, मंगल पराक्रम के साथ-साथ छोटे भाइयों का, शनि दुःख के साथ सेवक का, बृहस्पति ज्ञान के साथ गुरू एवं बड़े भाई तथा उनके समकक्ष लोगों का, बुध वाणी के साथ-साथ मामा का, शुक्र ऐश्वर्य के साथ जीवनसाथी का कारक है। इसे ऐसे भी समझा जा सकता है, कि जीवनसाथी को कष्ट देने पर शुक्र प्राकृतिक तौर पर निर्बल होने लगता है, जिसके कारण व्यक्ति का ऐश्वर्य कम हो जाता है। यदि सूर्य ग्रह रुष्ट है तो पिता को प्रसन्न करें, चंद्र पीड़ादायक हो तो माता अथवा माता समान स्त्रियों को प्रसन्न करें, मंगल कष्टकारी है तो छोटे भाई व बहन को प्रसन्न करें, बुध पीड़ादायक है तो मामा एवं बंधुओं को प्रसन्न करें, बृहस्पति रुष्ट है तो गुरुजन एवं वृद्धों को प्रसन्न करें, शुक्र रुष्ट है तो पत्नी को प्रसन्न करें, शनि कष्ट दे रहा हो तो दास-दासी को प्रसन्न करें, राहु कष्टकारी है तो अंगहीन को प्रसन्न करें और यदि केतु अप्रसन्न है तो दीन-हीन, रोगी की सहायता करें। यदि हम प्रेम, सत्कार व आदर का भाव रखकर ग्रहों के प्रतिनिधि के साथ उचित व्यवहार करें तो निश्चित ही रुष्ट ग्रह अपनी कोपता को त्याग कर शांत होंगें। अनुभव में आया है कि यदि ग्रह के प्रतिनिधि जीवों से संबंध खराब हों तो उपासना, पूजन, जप-तप और दान सब कुछ निष्फल ही रहते हैं।

मैगनोलिया प्वाइंट

साहब की बेटी, चरवाहे का प्यार! नेतरहाट की वादियों में आज भी जीवित है वो दास्तां

पलामू। कहा जाता है कि प्रेम न किसी बंधन का मोहताज होता है और न इसकी कोई सीमा होती है। यह न अमीरी-गरीबी देखता है, न जात-पात और न ही रंग-रूप। जब किसी को सच्चा प्रेम हो जाता है, तो वह अपने प्यार के लिए हर सीमा पार करने को तैयार हो जाता है। झारखंड के लातेहार जिले के नेतरहाट में ऐसी ही एक अमर प्रेम कहानी आज भी लोगों के बीच जीवित है, जिसे मैगनोलिया और चरवाहे बटुक की कहानी के नाम से जाना जाता है। नेतरहाट को छोटानागपुर की रानी कहा जाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। लेकिन इस खूबसूरत पहाड़ी क्षेत्र में एक प्रेम कहानी भी वादियों में गूंजती है। यहां का प्रसिद्ध सनसेट प्वाइंट आज 'मैगनोलिया प्वाइंट' के नाम से जाना जाता है, जो इस प्रेम कहानी की याद दिलाता है। ब्रिटिश काल में नेतरहाट में एक भवन हुआ करता था, जिसे उस समय गवर्नर हाउस कहा जाता था। आज वही भवन शैले हाउस के नाम से जाना जाता है। इसी भवन में अंग्रेज गवर्नर की बेटी मैगनोलिया रहती थी। बताया जाता है कि वह गर्मी की छुट्टियों में यहां रहने आई थी और अक्सर घोड़े पर सवार होकर नेतरहाट की हसीन वादियों में घूमने निकल जाती थी।

बांसुरी की धुन से शुरू हुई प्रेम कहानी: एक दिन घूमते हुए मैगनोलिया को नेतरहाट की वादियों में बांसुरी की मधुर धुन सुनाई दी। उस धुन से आकर्षित होकर वह उस दिशा में बढ़ती चली गई। वहां उसने देखा कि एक चरवाहा अपने मवेशियों को चराते हुए बांसुरी बजा रहा था। उस चरवाहे का नाम बटुक था। धीरे-धीरे मैगनोलिया रोज बांसुरी की धुन सुनने के लिए वहां जाने लगी। कहा जाता है कि शैले हाउस में एक गुप्त दरवाजा भी था, जहां से मैगनोलिया अपने घोड़े पर सवार होकर चुपचाप निकलती और अपने प्रेमी से मिलने पहुंच जाती थी। कुछ समय बाद मैगनोलिया के पिता, जो अंग्रेज गवर्नर थे, को इस प्रेम संबंध की जानकारी मिली। यह सुनकर वह बेहद नाराज हो गए। उन्होंने सैनिकों को आदेश दिया कि उस चरवाहे को खत्म कर दिया जाए। इसके बाद सैनिकों ने बटुक को पकड़कर नेतरहाट की पहाड़ियों की सैकड़ों फीट गहरी खाई में फेंक दिया।

मैगनोलिया ने भी दे दी जान: जब मैगनोलिया को इस घटना की जानकारी मिली तो वह टूट गई। मैगनोलिया को घर में बंद कर दिया गया था। वहीं वो गुप्त दरवाजे से निकलकर अपने घोड़े पर सवार होकर उसी खाई के पास पहुंची, जहां बटुक को फेंका गया था। अपने प्रेमी के वियोग को सहन न कर पाने के कारण उसने भी अपने घोड़े के साथ उसी खाई में छलांग लगा दी। आज नेतरहाट बाजार से लगभग 9 किमी दूर बटुआ टोली में मैगनोलिया प्वाइंट स्थित है। यहां मैगनोलिया और चरवाहे बटुक की प्रतिमा भी स्थापित की गई है और शिलापट्ट पर उनकी प्रेम कहानी अंकित है।

न्यूज विंडो

संदीप शर्मा बने ग्राम रोजगार सहायक संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष

सिरोंज। बटैया सरकार हनुमान मंदिर परिसर में ग्राम रोजगार सहायक संघ की बैठक संपन्न हुई। जिसमें ग्राम रोजगार सहायक संगठन सिरोंज इकाई के नवीन अध्यक्ष का चुनाव किया गया। जिसमें संदीप शर्मा बड़ौदा ताल को सर्वसम्मति से संघटन का निर्विरोध सिरोंज ब्लॉक का अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही सिरोंज इकाई की नवीन कार्यकारणी की घोषणा भी की गई। जिसमें उपाध्यक्ष अभिषेक पाठक एवं कैलाश यादव, प्रवक्ता संदीप शर्मा सेमलखेड़ी एवं विजय धाकड़, मीडिया प्रभारी मुकेश विश्वकर्मा, संगठन सचिव सगीर खान देहरी जागीर सहसचिव शाहिद खान, कोषाध्यक्ष रणवीर राठौर, सलाहकार सदस्य रविन्द्र राठौर, एवं कार्यकारणी सक्रिय सदस्य के रूप में रामदीन शर्मा, जीवन धाकड़, दिनेश राठौर, सुनील कुशवाह को नियुक्त किया गया।

बिजली कंपनी ने ग्रामीणों को सौंपे वसूली के नोटिसों को निरस्त करने की मांग

सिरोंज। सिरोंज में सम्पन्न हुई लोक अदालत में किसान नेता सुरेंद्र रघुवंशी के साथ अनेक ग्रामीण मजदूर अपनी परेशानी लेकर पहुंचे। मध्य प्रदेश विद्युत कंपनी द्वारा सिरोंज तहसील के ग्राम बरखेड़ा ताल में 35, ग्राम उनारसी ताल में 10, ग्राम इमलानी में 30, ग्राम मुंडरा बागल में 30, ग्राम देहरी में 35 गरीब मजदूर वर्ग के निवासियों को नोटिस दिए जाकर 5 से 7000 के बीच के जुर्माना अधिरोपित किए गया है। लोक अदालत में मौजूद बिजली कंपनी के अधिकारियों से चर्चा में किसान नेता ने बताया कि इस समय जब किसान और मजदूर वर्ग अपनी फसलों को समेटने में लगा हुआ है और कृषि कार्य में व्यस्त है। वह कहां से रुपए लाकर इस जुर्माने को भरेगा। इन परिवारों के सामने संकट आकर खड़ा हो गया है। बड़ी बात ये है कि जिन व्यक्तियों को नोटिस दिए गए हैं उनके यहां बिजली कंपनी का कोई भी मीटर नहीं लगा है। न ही कोई कनेक्शन बिजली विभाग के द्वारा स्वीकृत है। मध्य प्रदेश विद्युत कंपनी को तत्काल इस कार्रवाई को बंद कर नोटिस देने वाले दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही करना चाहिए। उन्होंने विद्युत मंडल के अधिकारियों से चर्चा कर इन नोटिसों को तत्काल निरस्त करने की मांग की तथा यदि नोटिस निरस्त नहीं करने पर मंगलवार को बिजली कंपनी के ऑफिस पर बैठकर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

'नर्मदा सिर्फ नदी नहीं, बल्कि राज्य की जीवनधारा'

नर्मदापुरम। नर्मदा के संवर्धन और नदी के प्रति समाज की उत्तरदायित्व को लेकर रविवार को कोरी घाट पर स्थित एक होटल में रेवा सेवा समागम का आयोजन हुआ। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और नर्मदा समग्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस एकदिवसीय प्रशिक्षण एवं जागृति कार्यक्रम में संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि, पर्यावरण विशेषज्ञ, सामाजिक संस्थाएं और युवा शामिल हुए। नर्मदा समग्र से न्यासी नर्मदा सदस्य सच्चानंद वासवानी, बृजकिशोर भार्गव, कार्तिक सप्रे भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनोज जोशी ने किया। कार्यशाला में नर्मदा संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया गया।मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि प्रदेश की जीवनरेखा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नर्मदा के संरक्षण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ समाज की सक्रिय सहभागिता भी आवश्यक है। अगर प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर नदी और उसके किनारों को स्वच्छ रखने का संकल्प ले ले, तो नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त करना पूरी तरह संभव है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर ने कहा कि नर्मदा संरक्षण केवल प्रशासन या सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि समस्त समाज का कर्तव्य है। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा कि नर्मदा नदी प्रदेश की आस्था, संस्कृति और अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ी हुई है। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने कहा कि नर्मदा संरक्षण में समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर्यावरण संतुलन कायम रखने हेतु नदियों, वनों और जल स्रोतों का संरक्षण अनिवार्य है।

एनजीटी द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट, सड़क सुधारने हेतु थमाए नोटिस

मंडीदीप में उद्योगों से ज्यादा खराब सड़क और वाहनों ने बढ़ाया वायु प्रदूषण, जद में भोपाल भी

अजय आहूजा। मंडीदीप

राजधानी से लगे मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों की बजाय खराब सड़कों, वाहनों की आवाजाही और कार्गो गतिविधियों से उड़ने वाली धूल से हवा ज्यादा प्रदूषित हो रही है। एनजीटी द्वारा गठित की गई संयुक्त समिति के निरीक्षण और जांच में यह बातें सामने आई हैं। खास बात यह है कि मंडीदीप में होने वाले प्रदूषण के कारण राजधानी की हवा भी दूषित हो रही है। समिति की रिपोर्ट में मुख्य सड़कों की मरम्मत के साथ सर्विस रोड पर भी पक्के शोल्डर बनाने के लिए पेवर ब्लॉक लगाने और लगातार पानी के छिड़काव का सुझाव दिया है। एनजीटी सेंट्रल जोन बेंच ने विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लेकर जांच के लिए समिति गठित की थी। इसमें एसडीएम और एमपीपीसीबी के ऑफिसर शामिल थे।

रिपोर्ट में बताया गया है कि मंडीदीप में वायु प्रदूषण के मुख्य स्रोत औद्योगिक गतिविधियां, वाहनों की आवाजाही के कारण सड़कों से उड़ने वाली धूल और वाहनों से निकलने वाला धुआं हैं। जानकारी के अनुसार, उद्योगों में वायु प्रदूषण के स्रोत बॉयलर, भट्टियां, डीजी सेट और लोडिंग-अनलोडिंग गतिविधियां हैं। बॉयलर और भट्टियों में उपयोग होने वाले ईंधन में कोयला, चावल की भूसी, पीएनजी, एलपीजी और प्रोपेन सहित अन्य शामिल हैं। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मंडीदीप की कई औद्योगिक इकाइयों के साथ मप्र रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को एनएच और सर्विस रोड खराब होने के लिए, मप्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को औद्योगिक क्षेत्र की अंदरूनी सड़कें खराब होने के लिए और नगर पालिका को नियमित सफाई और सड़कों पर पानी का छिड़काव नहीं होने के लिए नोटिस जारी किए हैं।

सुरक्षा के इंतजाम

निरीक्षण टीम ने पाया कि बॉयलर और भट्टियों में वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाएं स्थापित हैं। बॉयलर और भट्टियों से उत्पन्न दूषित गैसों को वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाओं से गुजारा जाता है और उचित ऊंचाई की चिमनी से वातावरण में छोड़ा जाता है। उद्योगों ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए मल्टीसाइक्लोन डस्ट कलेक्टर, बैग फिल्टर, इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर (ईएसपी), स्क्रबर और स्टैक लगे हैं।

समिति ने की ये सिफारिशें

उद्योगों से होने वाले वायु प्रदूषण पर निगरानी के लिए, मंडीदीप के कोयला, भूसी और इंडक्शन फर्नेस आधारित उद्योगों से जुड़ी चिमनी में ऑनलाइन कंटीनुअस एमिशन मॉनीटरिंग सिस्टम को एमपीपीसीबी के सर्वर से जोड़ा जाना चाहिए। सर्विस रोड, अंदरूनी सड़कों में धूल उड़ने से रोकने पानी छिड़काव, सर्विस रोड और औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों पर पेवर ब्लॉक के पक्के शोल्डर बनाने चाहिए, कार्गो कंटेनर डिपो को परिसर के भीतर धूल साफ करनी चाहिए और सड़क पर पानी का छिड़काव हो, कमर्शियल वाहनों के पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र होना चाहिए, खनिज विभाग सुनिश्चित करे कि रेत से लदे वाहनों को हरे जाल से ढका जाए ताकि राजमार्ग पर कोई भी सामग्री न गिरे।

होली मिलन समारोह का आयोजन

रंग-गुलाल लगाकर रामनवमी के कैलेंडर का किया विमोचन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्री रघुवंश परमार्थ सेवा ट्रस्ट द्वारा रविवार को बरेठ रोड स्थित रघुवंशी धर्मशाला में होली मिलन समारोह के साथ-साथ रामनवमी की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर आगामी रामनवमी महोत्सव के कैलेंडर का विमोचन किया गया और समाज के लोगों ने एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर रंग पंचमी की शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान सामूहिक विचार विमर्श के दौरान रामनवमी के आयोजन को भव्य बनाने और शोभायात्रा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी सहमति बनी। बैठक की शुरुआत भगवान श्रीरामचंद्र जी की प्रतिमा को गुलाल अर्पित कर की गई।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि रंगों का यह पर्व सामाजिक सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता है। होली, भुजरिया मिलन और रंग पंचमी ऐसे पर्व हैं, जिनमें हम एक-दूसरे से जाने-अनजाने में हुई भूलों के लिए क्षमा मांगकर नए सामाजिक जीवन की शुरुआत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि रघुवंशी समाज का सौभाग्य है कि भगवान श्रीराम उसी वंश में अवतरित हुए जिस वंश से हम सब हैं। इसलिए उनका जन्मोत्सव समाज को अपने पारिवारिक उत्सव की तरह मनाना चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर गो-सेवा, गरीबों की सहायता, असहाय और निर्धनों को भोजन कराने का भी आह्वान किया। आगामी रामनवमी एक कार्यक्रम में समाज के सभी स्वजातीय बंधुओं को परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में शामिल होना चाहिए। विधायक रघुवंशी ने कहा कि नगर में होने वाले धार्मिक आयोजनों, चल समारोहों और शोभायात्राओं में रघुवंशी समाज की ओर से भी स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने रघुकुल युवा परिषद सहित समाज के वरिष्ठजनों से आग्रह किया कि वे सभी समाजों के द्वारा आयोजित धार्मिक आयोजन में शोभायात्रा का स्वागत कर सामाजिक एकता और सनातन धर्म की मजबूती का संदेश दें। इस दौरान रघुकुल युवा परिषद के अध्यक्ष रोहित रघुवंशी तिलातिली ने पिछले वर्ष रामनवमी सहित परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के आय-व्यय का लेखा-जोखा समाज के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि परिषद के कार्यकर्ता नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी रामनवमी महोत्सव का निमंत्रण देकर लोगों से आयोजन में शामिल होने की अपील कर रहे हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि रामनवमी के अवसर पर भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर घरों और पूजन कक्षों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

नव भारत साक्षरता परीक्षा: जन शिक्षा केंद्र बरेठ में शिक्षा महापर्व जैसा माहौल

जब सीखने का जज्बा हो तो उम्र नहीं बनती बाधा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सीखने की कोई उम्र नहीं होती, यह बात जन शिक्षा केंद्र बरेठ में आयोजित नव भारत साक्षरता परीक्षा में एक बार फिर सच साबित हुई। कभी परिस्थितियों के कारण पढ़ाई से दूर रहे लोगों ने जब उत्साह के साथ परीक्षा में भाग लिया तो यह आयोजन शिक्षा के प्रति जागरूकता का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया।

निरक्षरता को समाप्त करने और शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस परीक्षा में नव-साक्षरों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर को शिक्षा महापर्व के रूप में मनाया गया, जहां शिक्षकों और नोडल अधिकारियों ने घर-घर जाकर लोगों को परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने वाले नव-साक्षरों का तिलक लगाकर एवं पुष्पों से आत्मीय स्वागत किया गया। इस सम्मान से उनके चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया। शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से सफल हुआ आयोजन। वहीं परीक्षा के सफल संचालन में जन शिक्षा केंद्र की टीम एवं क्षेत्र के शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। नव भारत साक्षरता परीक्षा के समन्वयक नारायण प्रसाद शर्मा ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जन शिक्षा केंद्र प्रभारी सुनील साहू, सीएसी महेंद्र सिंह रघुवंशी, अजय सक्सेना सहित सभी शिक्षक साथियों का आभार व्यक्त किया। शिक्षा से जुड़कर बढ़ रहा आत्मविश्वास अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के उस वर्ग को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है, जो किसी कारणवश अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी नहीं कर पाए थे। इस पहल से उनमें आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हो रही है।

मैनेजर और नेचुरलिस्ट को गिरफ्तार कर जेल भेजा

नर्मदापुरम। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) के मढ़ई क्षेत्र में स्थित लग्जरी फोरसिथ लॉज रिजॉर्ट के डिस्प्ले में अवैध रूप से वन्यजीवों के सींग, कांटे और केंचुली रखने के मामले में रविवार को बड़ी कार्रवाई हुई। एसटीआर की टीम ने लॉज मैनेजर निपुण महतो और नेचुरलिस्ट फैज अंसारी को गिरफ्तार कर सोहागपुर की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में पेश किया। अदालत ने दोनों को 10 दिनों के लिए पिपरिया उपजेल भेज दिया। एसटीआर के अनुसार, दोनों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के बाद गिरफ्तारी की गई।

---

124 मातृशक्ति का किया सम्मान

रक्तदान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का किया अभिनंदन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

रक्त सेवा समिति के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में डॉल्फिन स्कूल परिसर में रक्तदाता एवं मातृशक्ति प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय महिलाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली 124 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पुष्पांजलि शर्मा पतंजलि प्रदेश प्रभारी, भोपाल, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. संध्या त्रिवेदी गायत्री परिवार, भोपाल, जिला जनअभियान परिषद की समन्वयक पूजा श्रीवास्तव, विधायक हरिसिंह रघुवंशी, एसडीएम अनुभा जैन, एसडीओपी शिखा भलावी, पूर्व विधायक लीना जैन, नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, रक्त सेवा समिति के संरक्षक राजेश तिवारी, अध्यक्ष राकेश जैन, उपाध्यक्ष शैलेंद्र दीक्षित, महिला इकाई अध्यक्ष ममता जैन, युवा विंग अध्यक्ष शुभेंदु राजपूत सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद नवांकुर विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए समिति की स्थापना से अब तक की गतिविधियों की जानकारी दी। महिला इकाई की अध्यक्ष ममता जैन ने समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान नवांकुर डॉल्फिन स्कूल की छात्राओं द्वारा रक्तदान जागरूकता से जुड़े गीत प्रस्तुत किए गए, वहीं महिला इकाई की सदस्य अनुश्री वैशाखिया ने भी एक प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किया। अतिथि वक्ताओं ने रक्तदान को महादान बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. पुष्पांजलि शर्मा ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से रक्तदान की आवश्यकता समझाई, जबकि डॉ. संध्या त्रिवेदी ने महिलाओं की सामाजिक भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें सेवा कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। एसडीएम अनुभा जैन एवं एसडीओपी शिखा भलावी ने समिति के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में 124 महिलाओं को स्मृति चिन्ह, माल्यार्पण एवं जीवन लय पत्रिका भेंटकर सम्मानित किया गया। अंत में अदिति अरोरा ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन संदीप रावत ने किया।

मेट्रो एंकर कठाली बाजार में मां कर्मादेवी मंदिर में हुआ हवन-पूजन, दिल्ली दरवाजा पर निकाली शोभायात्रा

साहू समाज की आराध्य मां कर्मादेवी जयंती पर शहर में दिखा उत्साह दो स्थान पर हुए आयोजन, दाल-चावल की खिचड़ी का प्रसाद बांटा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मां कर्मादेवी जयंती का उत्साह रविवार को शहर में दिनभर दिखाई दिया। कठाली बाजार स्थित साहू समाज मंदिर में पूजा और हवन हुआ। वहीं दिल्ली दरवाजा क्षेत्र में साहू समाज ने संक्षिप्त शोभायात्रा निकाली।

साहू समाज की आराध्य मां कर्मादेवी जयंती की तैयारियां साहू समाज द्वारा एक पखवाड़े पहले से की जा रही थी। जिसके चलते रविवार को कठाली बाजार में बिहारी जी मंदिर परिसर में स्थित मां कर्मादेवी मंदिर में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। समाज द्वारा मां कर्मादेवी की प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके उपरांत हवन-पूजन का आयोजन भी किया गया। मंदिर परिसर में दिनभर मां कर्मादेवी की जयकारे गुंजायमान हुए। इस अवसर पर दाल-चावल की खिचड़ी और फलों की प्रसादी का वितरण भी किया गया। महिला मंडल ने संगीतमयी भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर साहू समाज समिति ने समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत भी किया। बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अनेक प्राप्त करने वाले बच्चों को समाज ने प्रमाण पत्र और शील्ड प्रदान की। वक्ताओं ने समाज के अन्य बच्चों से इन प्रतिभाओं से प्रेरणा लेने की बात कही। इस अवसर पर समाज के सदस्यों एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई भी दी। संध्या के समय समाज के भंडारे का आयोजन किया गया।

पालकी में बाल-गोपाल के साथ विराजित की मां कर्मादेवी की प्रतिमा

दिल्ली दरवाजा स्थित साहू समाज मंदिर में भी मां कर्मादेवी जयंती का उल्लास दिखाई दिया। यहां पर समाज द्वारा संक्षिप्त शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बाल गोपाल के साथ मां कर्मादेवी की प्रतिमा को पालकी में विराजित किया गया था। समाज के सदस्यों ने इस पालकी को कंधे में स्थापित किया था। बैंड-बाजों के साथ सिर पर कलश स्थापित कर चल रही समाज की बेटियां शोभायात्रा की आगवानी कर रही थी। वहीं समाज की महिलाएं और पुरूष जयकारे लगाते हुए पालकी के पीछे चल रहे थे। जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने कन्हैया और मां कर्मादेवी की प्रतिमा की आरती की। शोभायात्रा मंदिर परिसर में पहुंच कर समाप्त हुई।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में गर्मी ने दिखाए तेवर, ठंडे पदार्थों एवं देसी मटको की बढ़ी मांग

तेंदूखेड़ा। नगर में गर्मी ने अब अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। तापमान में लगातार बढ़ोतरी के चलते आमजन का जनजीवन प्रभावित होने लगा है। दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। वहीं गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडे पदार्थों का अधिक सेवन कर रहे हैं, जिसके चलते बाजार में ठंडे पेय पदार्थों की बिक्री में भी तेजी आ गई है। नगर के विभिन्न बाजारों और चौक-चौराहों पर ठंडे पेय पदार्थ, शरबत, लस्सी, गन्ने का रस और ठंडा पानी बेचने वाले दुकानदारों के यहां ग्राहकों की भीड़ बढ़ने लगी है। दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में तापमान बढ़ने के साथ ही ठंडे पेय पदार्थों की मांग में काफी इजाफा हुआ है। इसके अलावा देसी मटकों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। लोग अपने घरों में ठंडा और शुद्ध पानी पीने के लिए मटके खरीद रहे हैं, जिससे कुम्हारों के व्यवसाय को भी बढ़ावा मिल रहा है। गर्मी के प्रभाव के चलते अब नगर के कई घरों में कूलर भी चलने लगे हैं। शाम होते ही लोग अपने घरों में कूलर और पंखों का सहारा लेकर गर्मी से राहत पाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं बिजली की खपत में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। इधर नगर में बढ़ती गर्मी के साथ मच्छरों की संख्या में भी इजाफा होने लगा है। कई वार्डों में नालियां कचरे से भरी पड़ी हैं और नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी जमा हो रहा है। इससे मच्छरों के पनपने की आशंका बढ़ गई है, जिससे लोगों में बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने नगर पंचायत से मांग की है कि नालियों की नियमित सफाई कराई जाए और मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग कराई जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई और रोकथाम के उपाय नहीं किए गए तो गर्मी के साथ-साथ बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है।

ऑटो चालक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

सागर। थाना गोपालगंज पुलिस ने एक ऑटो चालक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अन्नू उर्फ अनिल यादव पिता सत्यनारायण यादव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्वाली मोहल्ला गोपालगंज जो पेशे से ऑटो चालक है वह गत दिवस रात्री लगभग 10ः45 बजे अपना ऑटो चलाकर घर जा रहा था। डिग्री कॉलेज के पास एक व्यक्ति ने उसका ऑटो रुकवाया और उसे आगे छोड़ने के लिए कहा। आटो द्वारा मना करने पर उक्त व्यक्ति ने स्वयं को अनिकेत अहिरवार निवासी ढाना बताते हुए उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और अचानक धारदार हथियार से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले के दौरान फरियादी के नाक, होंठ, दाहिने हाथ की भुजा तथा बाएं हाथ की हथेली एवं उंगलियों में गंभीर चोटें आईं। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों के आने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल फरियादी को तत्काल डायल-112 पुलिस वाहन की मदद से जिला अस्पताल सागर पहुँचाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उसे बुन्देलखण्ड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गोपालगंज घनश्याम शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए और आरोपी की तलाश शुरू की गई। इसी दौरान बस स्टैंड प्रभारी प्रधान आरक्षक अनंत दाहिया ने दबिश देकर आरोपी अनिकेत अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया।

मंडला के जंगल में महुआ बीनने गई महिला पर भालू ने किया हमला

मंडला। जिले के नैनपुर इलाके के चीजगांव में महुआ बीनने जंगल गई एक महिला पर भालू ने हमला कर दिया। इस हमले में महिला बुरी तरह घायल हो गई है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चीजगांव की रहने वाली चेती बाई रोज की तरह जंगल में महुआ इकट्ठा करने गई थीं। इसी दौरान अचानक एक भालू ने उन पर हमला बोल दिया, जिससे उनकी पीठ पर गहरे जख्म हो गए। चेती बाई के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास ही मौजूद दूसरे ग्रामीण दौड़कर वहां पहुंचे, जिन्हें देखकर भालू जंगल के अंदर भाग गया।

मां कर्मा देवी जयंती एवं साहू समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन

धर्म, संस्कृति, संस्कार और शिक्षा सशक्त समाज की आत्मा: भूपेन्द्रसिंह

सागर। दोपहर मेट्रो

शिक्षित परिवार सशक्त समाज के लिए आवश्यक है। धर्म, संस्कृति, संस्कार और शिक्षा समाज के आधार स्तंभ हैं। धर्म से निष्ठा आ आती है, संस्कृति से स्वाभिमान आता है, संस्कार से चरित्र निर्माण होता है और शिक्षा समाज को सामर्थ्यवान बनाती है। यह उद्गार पूर्व गृहमंत्री खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने साहू समाज द्वारा आयोजित भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी जयंती महोत्सव एवं सामूहिक विवाह समारोह कार्यक्रम में व्यक्त किए। मोतीनगर स्थित सरस्वती गार्डन में आयोजित इस सम्मेलन में साहू समाज की ओर से 7 बेटियों का विवाह कराया गया।

भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि जो समाज धर्म और संस्कृति से कटता है वह दिशाहीन हो जाता है। धर्म, संस्कृति, संस्कार समाज की आत्मा है। संस्कारों का दायित्व माता पिता पर ही होता है। संस्कार की पाठशाला मां के गर्भ से आरंभ हो जाती है। इसलिए माताओं को गर्भावस्था के दौरान रामायण, भागवत कथा श्रवण, पूजन जैसे धार्मिक कार्यों में पृवत्त रहना चाहिए तभी राम, कृष्ण, सीता, पार्वती जैसी संतानें जन्म लेती हैं। उन्होंने कहा कि यह गौरव के क्षण हैं जब त्याग तपस्या भक्ति की प्रतीक मां कर्मा देवी की जयंती हम सभी श्रद्धा और उत्साह से मनाते हैं। मां कर्मा देवी से हमें प्रेरणा मिलती है कि भगवान सिर्फ 56 भोगों से ही प्रसन्न नहीं होते, भक्ति भाव से यदि खिचड़ी भी खिला दो तो भगवान प्रसन्न हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति वहीं है कि कोई गरीब भूखा न रहे जाए। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों में एकत्रित होते हैं तब समाज को आगे ले जाने पर विचार-विमर्श होता है। महेश साहू ने अपनी ओर से समाज की तीन बेटियों का विवाह कराया, अन्य ने मिलकर इसी तरह 7 बेटियों के विवाह संपन्न कराए हैं। समाज की जो बेटियां आर्थिक रूप से कमजोर हैं समाज मिल कर उन्हें पढ़ाने की जिम्मेदारी उठाए, उनके लिए छात्रावास बनाए। कार्यक्रम में महेश साहू, हुलासी राम साहु, गिरधारी लाल साहू, संतोष साहू, शैलेंद्र साहू, सचिन साहू, राजू बत्रथी, राजाराम साहू, पार्षद अशोक चकिया, युवा अध्यक्ष संदीप साहू, संजय साहू, राकेश साहू, अर्पित साहू, मोहित साहू, अरुण चकिया, हर्ष, सतीष, परिवेश सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य परिवार उपस्थित रहे।

शादी में आ रही दुल्हन की कार का एक्सीडेंट, दुल्हन और जीजा की मौत

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले के कोलारस में रहने वाले जैन परिवार में शादी की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं जब शादी में जाते वक्त दुल्हन की कार हादसे का शिकार हो गई। हादसे में दुल्हन के जीजा की मौके पर ही मौत हो गई थी, वहीं दुल्हन ने रविवार 15 मार्च को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में दोनों गाड़ियों के वाहन चालक भी गंभीर रुप से घायल हुए थे उनकी भी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। जैन परिवार कोलारस से बेटी की शादी करने के लिए 10 मार्च को गंजबासौदा जा रहा था, इसी दौरान एक्सीडेंट हुआ था। कोलारस निवासी जैन परिवार अपनी बेटी साक्षी जैन की शादी के लिए 10 मार्च को चार गाड़ियों में सवार होकर विदिशा जिले के गंजबासौदा जा रहा था। रास्ते में नईसराय-शाढ़ौरा रोड पर बरखेड़ा गांव के पास दूसरे नंबर पर चल रही अर्टिगा कार जिसमें दुल्हन सवार थी, उसकी टक्कर सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो से हो गई थी। हादसा इतना भीषण था कि दुल्हन के जीजा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दुल्हन व कार में सवार उसकी मां व दो अन्य लोग जिनमें एक डेढ़ साल की बच्ची और दोनों गाड़ियों के ड्राइवर गंभीर रुप से घायल हुए थे। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल अशोकनगर पहुंचाया गया था। यहां से डॉक्टरों ने दुल्हन साक्षी सहित दो लोगों (दोनों गाड़ियों के ड्राइवरों) की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया था। भोपाल में इलाज के दौरान बुधवार 11 मार्च को दोनों ड्राइवरों की मौत हो गई थी। हादसे में गंभीर घायल दुल्हन साक्षी का इलाज चल रहा था और रविवार 15 मार्च को इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

पकरी टोला में पानी की किल्लत सरपंच की पहल ने दूर की समस्या

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

जिले की बजाग जनपद पंचायत के पकरी टोला में पानी की किल्लत दूर करने के लिए सरपंच ने एक पहल की है। गांव में नल-जल योजना होने के बाद भी लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा था, ऐसे में सरपंच ज्ञान सिंह मरावी ने एक पुराने खराब हैंडपंप को चालू करवाकर समस्या का हल निकाल लिया है। अंगई ग्राम पंचायत के पकरी टोला में करीब 250 परिवार रहते हैं। गांव में नल तो लगे हैं, लेकिन पानी का प्रेशर इतना कम है कि लोगों तक पानी पहुंच ही नहीं पा रहा था। इसके अलावा मोहल्ले के दो हैंडपंपों का वाटर लेवल गिर गया था और एक हैंडपंप सालों से खराब पड़ा था। गर्मियों की आहट और पानी के संकट को देखते हुए सरपंच ने सालों से बंद पड़े हैंडपंप की सफाई करवाई। जब पता चला कि उसमें पानी है, तो तुरंत एक हॉर्सपावर की मोटर डलवा दी। अब इस हैंडपंप से गांव वालों और मवेशियों को साफ पानी मिलने लगा है।

अतिक्रमण व अव्यवस्थित यातायात से बढ़ी परेशानी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में अतिक्रमण और अव्यवस्थित यातायात की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। नगर के विभिन्न वार्डों तथा मुख्य मार्गों पर वाहनों के अनियंत्रित खड़े रहने से आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों के किनारे दोपहिया, चारपहिया, ट्रक और बसें घंटों तक खड़ी रहने से मार्ग संकरा हो जाता है, जिससे आवागमन बाधित होता है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है।

नगर का मुख्य मार्ग हाल ही में एमपीआरडीसी द्वारा लगभग 50 फुट चौड़ा किया गया है, ताकि यातायात व्यवस्था बेहतर हो सके और लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। लेकिन चौड़ी सड़क होने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं है। इसका मुख्य कारण यह है कि मार्ग के दोनों ओर हाथ ठेले, छोटे-बड़े वाहन और मालवाहक वाहन चौबीसों घंटे खड़े रहते हैं। परिणामस्वरूप सड़क का वास्तविक उपयोग नहीं हो पा रहा है और चौड़ा मार्ग भी संकीर्ण प्रतीत होता है। मुख्य मार्ग से नगर के भीतर जाने वाली अन्य सड़कों पर भी यही स्थिति बनी हुई है। इन सड़कों के प्रवेश द्वारों पर ही वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों को निकलने में कठिनाई होती है। कई बार जाम की स्थिति बन जाती है और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ता है। नगर के व्यापारिक क्षेत्रों में दुकानदारों द्वारा भी अपनी निर्धारित सीमा से बाहर सामान रखकर अतिक्रमण किया जा रहा है। दुकानों के सामने सड़क तक सामान फैलाने के कारण पैदल चलने वाले लोगों और वाहन चालकों दोनों को परेशानी होती है। इस स्थिति के कारण बाजार क्षेत्रों में अव्यवस्था और भी अधिक बढ़ जाती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस प्रशासन इस समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त रुचि नहीं दिखा रहा है। यदि नियमित रूप से यातायात व्यवस्था पर निगरानी रखी जाए और नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तो स्थिति में काफी सुधार हो सकता है। लेकिन वर्तमान में कार्रवाई के अभाव में वाहन चालकों और अतिक्रमण करने वालों का मनोबल बढ़ता जा रहा है। नगरवासी बल्लू गर्ग ,रत्नेश जैन, विनोद सरैया, महेश मंगलम ने प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है कि अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, सड़कों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई की जाए।

पुरानी रंजिश को लेकर पुत्र के सामने ही पिता की पत्थरों से सिर कुचल कर हत्या, बेटा गंभीर

सागर। दोपहर मेट्रो

पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने एक पिता की उसके बेटे के सामने ही पत्थर से सिर कुचल कर हत्या कर दी. वारदात में बेटा भी गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे भोपाल रेफर किया गया है. घटना सिविल लाईन थाना क्षेत्र के ग्राम बमोंरी तिराहे रविवार- शनिवार की दरमियानी रात हुई. मृतक के बड़े भाई रामअवतार उर्फ बबलू पांडे ने बताया कि शनिवार रात वह बाग खेजरा में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां पर आरोपी अनिल पांडे भी मौजूद था। पुरानी रंजिश को लेकर अनिल पांडेय ने विवाद शुरू कर दिया, जो धीरे-धीरे झूमाझटकी में बदल गया। मौके पर मौजूद लोगों ने विवाद शांत कराया। इसी बीच किसी ने विवाद की खबर छोटे भाई प्रदीप पांडे को दे दी। प्रदीप रात करीब 12 बजे अपने बड़े बेटे रचित के साथ बाग खेजरा के लिए निकला। बम्हौरी तिराहे पर स्थित ख्याति होटल के पास पहले से घात लगाए बैठे अनिल व उसके साथियों ने प्रदीप व रचित को घेरकर हमला कर दिया। प्रदीप के ऊपर बड़े-बड़े पत्थर पटककर उसकी हत्या कर दी, वहीं रचित के साथ मोटरसाईकिल की चेन से हमला किया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हुआ है।

रविवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया, वहीं 5 आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। जानकारी के अनुसार मृतक प्रदीप पांडे और आरोपी अनिल पांडे के परिवार के बीच करीब 25 साल से विवाद चल रहा है। पूर्व में दोनों एक दूसरे के खिलाफ पंचायत का चुनाव भी लड़े थे। इसी को लेकर दोनों परिवारों के बीच आए दिन विवाद होता रहता था। मृतक बाग खेजरा गांव निवासी प्रदीप पांडेय, कुछ समय से अपने परिवार के साथ बम्हौरी तिराहे के पास सिरोंजा रोड पर रह रहे थे.

थाना प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि हत्या की वारदात में शामिल सभी 5 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

आत्मसमर्पित 10 नक्सलियों को सिखाई जा रही सिलाई, ड्राइविंग

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

बालाघाट पुलिस ने नक्सलियों को समाज की मुख्य धारा में वापस लाने और नक्सली हिंसा के पीड़ितों की मदद के लिए एक खास मुहिम शुरू की है। इसके तहत आत्मसमर्पण करने वाले पूर्व नक्सली अब हथियार छोड़कर सिलाई और ड्राइविंग जैसे काम सीख रहे हैं, वहीं हिंसा में अपनों को खोने वाले 14 लोगों को पुलिस में नौकरी दी गई है। पुलिस लाइन में फिलहाल 10 आत्मसमर्पित नक्सली (5 पुरुष और 5 महिला) सिलाई और ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले रहे हैं। पिछले डेढ़ महीने से चल रही इस ट्रेनिंग में ये लोग शर्ट-पेंट सिलना और जेसीबी चलाना सीख रहे हैं ताकि वे खुद का रोजगार शुरू कर सकें। इनमें सुनीता ओयाम, सुरेंद्र, राकेश और सलीता जैसे कई पूर्व नक्सली शामिल हैं।

मेट्रो एंकर 11 जनपदों की टीमों ने लिया हिस्सा, विजेताओं को राशि 21 हजार, ट्रॉफी व मैडल से किया सम्मानित

कबड्डी में सागर की टीम केसली को हराकर बनी विजेता

सागर। दोपहर मेट्रो

पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) अंतर्गत जिला पंचायत द्वारा जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जनपद पंचायत सागर और जनपद पंचायत केसली की टीमों के बीच खेला गया, जो बेहद रोमांचक रहा। मैच के दौरान दोनों टीमों ने शानदार खेल दिखाते हुए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। सागर की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। प्रतियोगिता स्मार्ट सिटी स्टेडियम के बैडमिंटन कोर्ट में सरस्वती पूजन, दीप प्रज्वलन एवं खिलाड़ियों के परिचय के साथ किया गया।

प्रतियोगिता में जिले की 11 जनपद पंचायतों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन नॉकआउट आधार पर किया गया। पूरे दिन चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीम सागर एवं उपविजेता टीम केसली को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

फाइनल मुकाबला एवं प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो में परंपरागत खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री की नवाचार पहल के अंतर्गत विभाग के द्वारा इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को मंच मिल सके, एवं परंपरागत खेलो को बढ़ावा मिल सके। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 21,000 रुपये, उपविजेता टीम को 11,000 रुपये, तृतीय स्थान प्राप्त टीम को 5,100 रुपये एवं तीन टीमों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 1,100-1,100 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया नगरीय पुलिस भोपाल

क्रमांक/था.प्र./तलैया/भो/डी-123/2026 दिनांक 06/01/2026

प्रति,

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख कर निवेदन है कि थाना तलैया पर दिनांक 21.02.2026 को सूचक दीक्षा बाथम पिता स्व. श्री कन्हैयालाल बाथम उम्र 27 वर्ष साल निवासी म.नं. 24 पुनम आटा चक्की वाली गली भोईपुरा बुधवारा थाना तलैया भोपाल कि सूचना पर थाना तलैया भोपाल में गुम इंसान क्रमांक 04/2026 का पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। गुमशुदा की तलाश पतारसी के संभाव प्रयास किये जा रहे हैं।

जिसका हुलिया कद 5 फिट 5 इंच, रंग गोरा, चेहरा गोल है, जो नीले कलर की जेकट, नीले कलर की लोवर पहने है, सीधे हाथ में ऊँ गुदा हुआ है गुमशुदा की तलाश पतारसी के हरसंभाव प्रयास किये गये जो कोई जानकारी नहीं मिली जिस व्यक्ति को जानकारी हो थाना तलैया भोपाल उपस्थित आकर जानकारी देवे अथवा दूरभाष क्रमांक 9479990553 एवं जाँचकर्ता प्रआर 1305 विमल कुमार भारती -7587601995 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना तलैया दूरभाष क्रमांक-9479990553, प्रआर 1305 विमल कुमार भारती-7587601995

जी-27322/25

थाना प्रभारी
थाना तलैया जिला भोपाल

टीम की सफलता पर रोहित गदगद, कहा

यह तो बस शुरुआत है- अब पीछे मुड़कर नहीं देखेंगे महिलाओं की भी तारीफ

मुंबई, एजेंसी

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि हाल के वर्षों में मिली बड़ी सफलताओं के बाद भारतीय क्रिकेट अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है. उनका कहना है कि पुरुष और महिला दोनों टीमों के पास इस समय शानदार मोमेंटम है और अगर इसे बरकरार रखा गया तो भारत लंबे समय तक विश्व क्रिकेट पर राज कर सकता है.

टी20 मुंबई लीग के चौथे सीजन के लॉन्च कार्यक्रम में रोहित शर्मा ने भारतीय क्रिकेट की हालिया उपलब्धियों पर खुशी और गर्व जाहिर किया. उन्होंने कहा, %पिछले कुछ सालों में भारतीय क्रिकेट ने जो हासिल किया है, उसे देखकर बहुत खुशी और गर्व महसूस होता है. हमारी टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है और बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं.%

रोहित शर्मा ने कहा कि भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत यह है कि सिर्फ पुरुष टीम ही नहीं, बल्कि महिला टीम भी लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है. उन्होंने भारतीय महिला टीम की उस ऐतिहासिक जीत का जिक्र किया, जब हरमन ब्रिगेड ने नवी मुंबई में अपना पहला आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप खिताब जीता.

रोहित शर्मा कहते हैं, %सिर्फ पुरुष टीम ही नहीं, महिला टीम को भी मुंबई में वर्ल्ड कप जीतते देखना शानदार अनुभव था.% भारतीय पुरुष टीम ने हाल ही में अहमदाबाद में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर इतिहास रच दिया. भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार यह खिताब अपने नाम किया और ऐसा करने वाली दुनिया की पहली टीम बनी. रोहित के अनुसार यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद खास थी और टीम ने जिस अंदाज में प्रदर्शन किया, वह वाकई शानदार था.

भारतीय टीम की सफलता का सिलसिला 2024 में शुरू हुआ, जब रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 अपने नाम किया था. इसके बाद टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 भी अपने नाम की और फिर 2026 में टी20 वर्ल्ड कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया.

अंडर-19 लेवल पर भी कमाल का खेल

भारत का शानदार प्रदर्शन सिर्फ सीनियर स्तर तक सीमित नहीं रहा. जूनियर क्रिकेट में भी टीम ने कमाल किया है. हाल ही में भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे में खेले गए अंडर-19 वर्ल्ड कप में खिताबी जीत हासिल की. वहीं महिला अंडर-19 टीम ने 2025 में मलेशिया में खिताब जीता था. रोहित शर्मा का मानना है कि क्रिकेट में मोमेंटम बेहद अहम होता है और फिलहाल भारतीय क्रिकेट के पास वही ताकत मौजूद है. उन्होंने कहा कि अगर पुरुष और महिला दोनों टीमें इसी तरह प्रदर्शन करती रहीं, तो आने वाले सालों में भारत विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा और मजबूत कर सकता है.

16 मैचों के बाद कार्लोस अल्कारेज को सेमीफाइनल में मिली हार

मेदवेदेव ने इंडियन वेल्स में चखाया हार का स्वाद

इंडियन वेल्स, एजेंसी

डेनिल मेदवेदेव ने शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कारेज को इस साल की पहली हार का स्वाद चखाया और सीधे सेटों में जीत दर्ज करके इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह अल्कारेज का 16 मैचों से चला आ रहा विजयी अभियान समाप्त हो गया। मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में अल्कारेज को 6-3, 7-6 (3) से पराजित किया।

फाइनल में रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मेदवेदेव का मुकाबला इटली के दूसरी वरीयता प्राप्त यानिक सिनर से होगा। सिनर ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 6-4 से हराया। अल्कारेज ने इससे पहले इस साल लगातार 16 मैच जीते थे, जिनमें ऑस्ट्रेलियाई ओपन और कतर ओपन के खिताब शामिल हैं। मेदवेदेव ने इस जीत से अल्कारेज और सिनर के बीच एक और फाइनल की संभावना को खत्म कर दिया। मेदवेदेव इससे पहले अल्कारेज के खिलाफ अपने पिछले चार मुकाबलों में हार गए थे, जिनमें 2024 में इंडियन वेल्स के फाइनल में मिली हार भी शामिल है।

मेदवेदेव की 2023 में यूएस ओपन के सेमीफाइनल के बाद यह अल्कारेज पर पहली जीत है। सिनर ने ज्वेरेव को एक घंटे 23 मिनट में ही हरा दिया। सिनर ने चौथी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव के खिलाफ छह ऐस लगाए। सिनर का ज्वेरेव के खिलाफ रिकॉर्ड अब 7-4 हो गया है। इस टूर्नामेंट में मेदवेदेव और सिनर दोनों ने ही अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। सिनर ने मेदवेदेव के खिलाफ अपने पिछले तीन मैच जीते हैं, जिनमें 2024 में यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल की जीत भी शामिल है।

महिला युगल के फाइनल में टाउनसेंड -कैटरीना की जीत

इस बीच महिला युगल के फाइनल में टेलर टाउनसेंड और कैटरीना सिनियाकोवा ने अन्ना डैनिलिना और एलेक्जेंड्रा क्रुनिक को 7-6 (4), 6-4 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल में गुइडो एंड्रेओज़ी और मैनुअल गिनार्ड ने आर्थर रिंडरकनेच और वैलेंटीन वाचेरोट को 7-6 (3), 6-3 से पराजित किया। मिश्रित युगल में बेलिंडा बेनसिच और फ्लेवियो कोबोली ने शीर्ष वरीयता प्राप्त गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और लॉयड ग्लासपूल को 6-3 2-6, 10-7 से हराया।

सैमसन को प्लेइंग-11 में लेने की वजह बताई हेड कोच ने

अभिषेक पर भी किस तरह से भरोसा कायम रहा, गंभीर ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 विश्व का खिताब भारतीय टीम ने जीत लिया था और अब खिलाड़ी आईपीएल 2026 की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बताया है कि लगातार रन बनाने के लिए जूझ रहे अभिषेक शर्मा पर किस तरह भरोसा कायम रहा। वहीं, कोच ने संजू सैमसन को प्लेइंग-11 में शामिल करने की वजह का खुलासा भी किया। अभिषेक टूर्नामेंट के पहले तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन उन्होंने इसके बाद दो अर्धशतक लगाए जिनमें फाइनल में लगाया गया अर्धशतक भी शामिल है। अभिषेक की खराब फॉर्म को देखकर यह चर्चा भी उठने लगी थी कि क्या इस सलामी बल्लेबाज को प्लेइंग-11 से बाहर बैठाया जाएगा? लेकिन टीम प्रबंधन ने अभिषेक पर भरोसा कायम रखा और फाइनल में उन्होंने अपना दिखाया जिससे टीम न्यूजीलैंड को हराकर खिताब बरकरार रखने में सफल रही।

गंभीर ने अभिषेक का समर्थन करने पर कहा, आईपीएल 2014 में मेरा अनुभव उससे भी बदतर रहा था जब मैं लगातार चार मैचों में शून्य पर आउट हुआ। मैंने उससे बस इतना कहा था कि लोग आपके स्कोर देखेंगे और आपकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे, लेकिन असल में आप खराब फॉर्म नहीं हो, बस रन नहीं बना पा रहे हैं। आपकी फॉर्म का सही आकलन तभी हो सकता है जब आप 20 से 30 गेंदें खेल चुके हों और उसने अभी तक 20 गेंदें भी नहीं खेली हैं। मैं बस यही चाहता था कि वह हर अगले मैच में पिछले मैच की तुलना में अधिक आक्रामक होकर खेले। अभिषेक को लेकर कोई संदेह नहीं था। सच कहूं तो हम सभी को टी20 विश्व कप में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी पर पूरा भरोसा था।

गंभीर बोले- पावरप्ले में ही मैच छीन सकते हैं संजू

गंभीर ने सैमसन की भी जमकर तारीफ की। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंतिम चरण में सैमसन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में तूफानी अंदाज में अर्धशतक जड़कर भारत को रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीतने में मदद की। गंभीर ने कहा कि जब संजू सैमसन अपनी फॉर्म में होते हैं तो वह पावरप्ले में ही विपक्षी टीम से मैच छीन सकते हैं। गंभीर ने कहा, हम जानते हैं कि संजू क्या कर सकता है। उसकी प्रतिभा और विस्फोटक बल्लेबाजी पर कभी कोई संदेह नहीं था। अगर वह लय में आ जाए तो पहले छह ओवरों में ही मैच जिता सकता है।

किस तरह सैमसन को मिला मौका?

सैमसन का विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और इसलिए उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो के मैच में मौका मिलने पर सैमसन ने 15 गेंदों में 24 रन बनाकर लय हासिल की और इसके बाद अगले तीन मैच में नाबाद 97, 89 रन और 89 रन बनाए। गंभीर ने कहा, मैंने उसे जिम में यह बात बताई। दरअसल हम दोनों साथ में ट्रेनिंग कर रहे थे और मैंने उसे बस इतना बताया कि तुम जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलोगे और उसने कहा कि ठीक है। हमारी बातचीत कुछ इसी तरह से अनौपचारिक होती है। यह किसी मुख्य कोच और खिलाड़ी के रिश्ते जैसा नहीं है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें हमारी आमने-सामने की अधिकतर बातचीत अभ्यास सत्रों के दौरान होती है।

भारतीय ट्रिपल का दमदार प्रदर्शन

जम्पर सेल्वा प्रभु ने एनसीएए चैंपियनशिप में जीता रजत

नई दिल्ली। भारत के सेल्वा प्रभु ने अमेरिका के फेयेटविले में चल रही एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में पुरुषों की त्रिकूद (ट्रिपल जंप) में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2022 के रजत पदक विजेता और अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रभु ने शनिवार को 17.05 मीटर की छलांग लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी करियर में पहली बार 17 मीटर की बाधा को पार किया। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने कन्सास स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेलते हुए राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड भी बनाया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के हालांकि राष्ट्रीय रिकॉर्ड को प्रमाणित करने के संबंध में सख्त दिशानिर्देश हैं, जिसके कारण अक्सर नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन (एनसीएए) सहित विदेशों में होने वाली प्रतियोगिताओं में किए गए प्रदर्शन को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि वे एएफआई की तकनीकी और डोपिंग से जुड़ी जरूरतों को पूरा नहीं करते हैं। एनसीएए अपना डोप परीक्षण कार्यक्रम स्वयं संचालित करता है, लेकिन उसे विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी वाडा से मान्यता प्राप्त नहीं है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

उफ्फ....नताशा स्टेनकोविक की लेटेस्ट तस्वीरों ने हर किसी को क्रेजी कर दिया है. बिकिनी में नताशा का किलर लुक देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं. फैंस उनके लुक से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं.

पूल में हार्दिक पंड्या की एक्स वाइफ

बिकिनी में नताशा ने बिखेरा जलवा, दिखा दिलकश अंदाज

ये तो हम आपको पहले ही बता चुके हैं कि हार्दिक पंड्या की एक्स वाइफ नताशा बीते कुछ दिनों से अपने बेटे अगस्त्य संग वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। नताशा लगातार वेकेशन से तस्वीरें-वीडियोज पोस्ट करके फैंस को भी ट्रीट दे रही हैं। मगर अब उनकी लेटेस्ट बोल्ड फोटोज ने इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। वेकेशन की नई तस्वीरों में नताशा मजेंटा कलर की बिकिनी में कहर ढाती नजर आ रही हैं। बिकिनी पहने नताशा झूला झूलती हुई भी दिखाई दीं। नताशा ने पूल में भी खूब मजे किए। अपने लाडले बेटे संग नताशा पूल में काफी ज्यादा एन्जॉय करती हुई दिखाई दे रही हैं। नताशा बीच पर सनबाथ लेती हुई भी दिखाई दीं। उन्होंने बच्चों संग मड हाउस भी बनाया। वो हर पल को खुलकर एन्जॉय करती हुई देखी जा सकती हैं।

बहन अनुषा रंगनाथ पर आशिका ने लुटाया प्यार, बताया जिंदगी की सबसे बड़ी प्रेरणा

कन्नड़, तेलुगू और तमिल की मशहूर अभिनेत्री आशिका रंगनाथ ने अपनी बहन अनुषा रंगनाथ के नाम प्यारा सा नोट लिखा है। उन्होंने बहन को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्हें प्रेरणा स्रोत बताया। आशिका रंगनाथ और अनुषा रंगनाथ दोनों ही तमिल और तेलुगू सिनेमा पर राज कर रही हैं, और दोनों बहनों का प्यार समय-समय पर फैंस को देखने को मिलता रहता है। अभिनेत्री आशिका रंगनाथ ने अनुषा रंगनाथ का डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे ब्लैक साड़ी पहन स्टेज पर कमाल कर रही हैं। उन्होंने प्यारे से वीडियो को साझा कर लिखा, ÷मेरी प्यारी बहन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, जिनके बिना मुझे सच में नहीं पता कि मैं क्या करूंगी।÷ आशिका ने आगे लिखा, ÷संगीत समारोह के लिए मैंने जो सरप्राइज प्लान किया था, वह मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। वह मेरी पहली डांस टीचर हैं; मुझे उनका डांस बहुत पसंद है। उनके सभी गानों पर परफॉर्म करना (अपने सबसे करीबी दोस्तों के साथ) कुछ ऐसा था जो मैं वास्तव में करना चाहती थी, क्योंकि वे अविश्वसनीय प्रतिभा की धनी हैं और हमेशा से ही एक अद्भुत अभिनेत्री रही हैं।÷

आशिका ने अपनी बहन को उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी प्रेरणा बताया, जिससे उन्होंने एक्टिंग से लेकर डांस करने तक की कला को सिखाया। उन्होंने

लिखा, ÷मेरी गुरु, मेरी मार्गदर्शक और आज मुझे नर्तकी और अभिनेत्री बनने के पीछे की सबसे बड़ी प्रेरणा। वह मुझसे कहीं अधिक प्रतिभाशाली हैं, फिर भी मेरे करियर के हर निर्णय में वह हमेशा मेरी ताकत और सहारा बनकर मेरे साथ खड़ी रही हैं। मुझे पता है कि तुम जैसी हो वैसी रहना आसान नहीं है, और तुमने बहुत कुछ सहा है। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।÷

मेट्रो बाजार

'समृद्धि केंद्र गांवों में स्वास्थ्य सेवा शिक्षा और ई-गवर्नेंस पहुंचाएंगे'

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने रविवार को कहा कि नवस्थापित एकीकृत फिजीटल सेवा केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि, वित्तीय और ई-गवर्नेंस सेवाएं प्रदान करने के दृष्टिकोण को साकार करने में मदद करेगा। संचार मंत्री ने दूरसंचार विभाग की समृद्ध ग्राम भौतिक डिजिटल सेवा पायलट पहल के तहत गुना जिले के उमरी गांव में समृद्धि केंद्र का उद्घाटन किया, जो एक एकीकृत ÷भौतिक प्लस डिजिटल÷ सेवा केंद्र है। इस पहल के तहत भारतनेट के अंतर्गत निर्मित हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी का उपयोग करते हुए डिजिटल बुनियादी ढांचे को ग्रामीण भारत में नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए एक मंच में परिवर्तित किया जा रहा है। समृद्धि केंद्र को एक एकल-खिड़की सेवा केंद्र के रूप में डिजाइन किया गया है जहां ग्रामीण एक ही स्थान पर स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि सहायता, वित्तीय सेवाओं और ई-गवर्नेंस सहायता सहित कई सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।शुभारंभ समारोह में बोलते हुए सिंधिया ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य प्रौद्योगिकी को आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं के साथ जोड़कर गांवों में सीधे नए अवसर लाना है। उन्होंने कहा, ÷किसान डिजिटल उपकरणों के माध्यम से मिट्टी की नमी, पोषक तत्वों और फसल के स्वास्थ्य पर वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिससे कृषि अधिक स्मार्ट और अधिक उत्पादक बनेगी। सिंधिया ने बताया, ÷प्रमाणपत्रों से लेकर ई-बैंकिंग तक, सभी आवश्यक सरकारी सेवाएं अब समृद्ध ग्राम परिसर में ही उपलब्ध होंगी। यह वास्तव में भविष्य का कार्यक्रम है, जो यह सुनिश्चित करता है।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई जीडीपी, जल्द बनेगा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। एनएक्सटी फाउंडेशन द्वारा जारी की गई भारत प्रोग्रेस रिपोर्ट 2025-26 में बताया गया कि भारत 4.8 ट्रिलियन डॉलर की नॉमिनल जीडीपी के साथ जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। 8.2 प्रतिशत की विकास दर के साथ आगे बढ़ते हुए दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है और जल्दी ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बन जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, राजमार्गों, रेलवे, अंतरिक्ष और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 101 प्रमुख उपलब्धियों को हासिल करते हुए वर्ष भर में तीव्र आर्थिक और तकनीकी विकास किया है, जो देश को एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर ले जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई हाई-फ्रीक्वेंसी इंडीकेटर्स देश की मजबूत आर्थिक स्थिति को दिखा रहे हैं। जीएसटी कलेक्शन अप्रैल 2025 में रिकॉर्ड 2.17 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया था। वहीं, भारत की म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम 80 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर चुका है। इसके साथ देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 1.15 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है, जो कि निवेशकों के विश्वास को दिखाता है। भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास को अन्य देश भी अपना रहे हैं। इसका प्रमाण यूपीआई के माध्यम से होने वाले मासिक लेनदेन में मिलता है, जो 21 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है, जबकि आधार प्रमाणीकरण एक अरब से अधिक हो गया है। इससे देश में वित्तीय समावेशन का विस्तार हुआ है और गरीबों को सरकारी सेवाएं पारदर्शी तरीके से, सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाने में मजबूती मिली है।

न्यूज विंडो

दरोगा भर्ती: बोर्ड करेगा विवादित प्रश्न की जांच, ब्लैक लिस्ट हो सकती है कंपनी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उप निरीक्षक एवं समकक्ष पदों पर हुई भर्ती परीक्षा के पहले दिन पूछे गए विवादित प्रश्न का मामला रविवार को चर्चा का विषय बना रहा। सोशल मीडिया पर ब्राह्मण वर्ग का विरोध दिख रहा है। प्रदेश सरकार ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ही मामले की जांच करेगा। जांच में जो जिम्मेदार सामने आएंगे उन पर कार्रवाई होगी। पेपर सेट करने वाली कंपनी ब्लैक लिस्ट भी की जा सकती है। मुकदमा भी दर्ज कराया जा सकता है।दरअसल, शनिवार के पहली पाली की परीक्षा में सामान्य हिंदी के सेक्शन में... एक प्रश्न पूछा गया कि अवसर पर बदल जाने वाले के लिए एक शब्द लिखिए। विकल्पों में पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और सदाचारी दिए गए थे। परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र का यह हिस्सा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। पंडित शब्द को विकल्प के रूप में शामिल किए जाने पर भारी विरोध शुरू हुआ था। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत भाजपा के तमाम विधायकों व नेताओं ने सीएम को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की थी। प्रकरण में जांच के आदेश दिए गए।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर आपस में भिड़े दो ट्रक, 2 की मौत

लोनी (गाजियाबाद)। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे गढ़ी कटैया अंडर पास के निकट अल सुबह दो ट्रक आपस में भिड़ गए। घटना में दो लोगों की मौत तथा तीन लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को 50 सैय्या संयुक्त चिकित्सालय लोनी में भर्ती कराया है। जहां घायलों का उपचार जारी है। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि सोमवार सुबह राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी कि दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे गढ़ी कटैया अंडर पास के निकट सीमेंट से लदा ट्रक राम पार्क की तरफ क्रास करने के दौरान दिल्ली खजूरी की तरफ से आ रहे ईंट उतार कर आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को 50 सैय्या संयुक्त चिकित्सालय लोनी में भर्ती कराया।

दिल्ली में हैवानियत, 7 साल की बच्ची के साथ यौन शौषण

नई दिल्ली। दिल्ली के ओखला इंडस्ट्रियल एरिया में एक 7 साल की नाबालिग बच्ची के साथ यौन शौषण का मामला सामने आया है और पास के ही रहने वाले तीन नाबालिग लड़के जिनमे एक कि उम्र 12 और दो की उम्र 13 साल है इनपर यौन शौषण का आरोप लगा है।14 मार्च को पुलिस को पीसीआर कॉल से ये जानकारी मिली, पुलिस ने पीड़ित बच्ची को उनके माता पिता और पुलिस के साथ एम्स में मेडिकल के लिए भेजा, जांच में यौन शोषण की कोशिश की बात सामने आई।महिला पुलिस ने बच्ची का बयान दर्ज किया जिसमें बच्ची ने बताया 12 और 13 मार्च को पास के ही तीन लड़के पीड़ित को एक गोदाम में ले गए थे जहां तीनो ने बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया।तीनो नाबालिग आरोपियों के खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत महल दर्ज करके जुवेनाइल जस्टिस होम में पेश करके बाल सुधार ग्रह भेज दिया गया है।

संदिग्ध हालत में ढाई साल की बच्ची की मौत, गैस रिसाव की आशंका

पूर्वी दिल्ली। गाजीपुर इलाके में संदिग्ध हालत ढाई साल की बच्ची की मौत हो गई। इसकी सात वर्षीय बड़ी बहन की भी हालत खराब है। मृतक की पहचान सना व इसकी बहन की पहचान राफिया के रूप में हुई है।आशंका है कि एलपीजी गैस के रिसाव से दम घुटने जान गई है। हादसे के वक्त घर मे मां भी मौजूद थी। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने जांच के बाद कहा है ऐसा नहीं लग रहा है किसी ने बच्ची को मारा है। एफएसएल टीम से जांच करवाई है। उपायुक्त ने बताया कि आशीर्वाद अपार्टमेंट से सूचना मिली थी फ्लैट में दो बच्चियां खेल रही थी। खेलते खेलते गिर गई। उन्हें इलाज के लिए नोएडा के मेट्रो अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां ढाई साल की बच्ची की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के सही कारणों का पता चलेगा।

होर्मुज क्रॉस कर 'जग लाडकी' पहुंचेगा भारत

तेहरान। वेस्ट एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय ध्वज वाले जहाज 'जग लाडकी' ने संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तेल टर्मिनल पर हुए हमले के बाद सुरक्षित रूप से रवाना होकर भारत की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, जब भारतीय जहाज जग लाडकी फुजैरा सिंगल प्वाइंट मूरिंग पर कच्चा तेल लोड कर रहा था, उसी दौरान फुजैरा ऑयल टर्मिनल पर हमला हुआ। इसके बावजूद जहाज और उस पर सवार सभी भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित रहे। इस पर करीब 80,800 मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा हुआ है और जहाज सुबह लगभग 10:30 बजे फुजैरा से सुरक्षित रूप से रवाना हो गया और होर्मुज क्रॉस कर भारत की ओर बढ़ रहा है।

पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति स्थिर, सरकार ने दोहराया- ईंधन की कमी नहीं

गैस संकट पर राहत: एलपीजी बुकिंग घटकर 77 लाख पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में कुकिंग गैस सिलिंडर को लेकर पिछले कुछ दिनों से जारी अफरा-तफरी के बीच एक अच्छी खबर सामने आई है। एलपीजी सिलिंडर बुकिंग 88.8 लाख से घटकर 77 लाख रह गई है, जो स्थिति में सुधार का संकेत है। सरकार ने दोहराया कि देशभर में पेट्रोल, डीजल या खाना पकाने की गैस की कोई कमी नहीं है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। सरकार ने लोगों को सलाह भी दी कि वे घबराहट में खरीदारी ना करें।

पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रमों के प्रभाव पर दैनिक अपडेट में सरकार ने कहा कि ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग लगभग 87 फीसदी हो गई है। यह तेल कंपनियों के उस अभियान का असर है, जिसमें डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा दिया गया और लोगों को घबराहट में एलपीजी डीलरों के बाहर लंबी कतारों में लगने से रोका गया। सरकार ने रविवार को एक बयान में कहा, हमारे सभी तेल शोधन कारखाने पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार बनाए हुए हैं। हमारा देश पेट्रोल और डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है। घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात की आवश्यकता नहीं है। तेल विपणन कंपनियों की ओर से खुदरा दुकानों पर ईंधन की कमी का कोई मामला सामने नहीं आया है। पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है।

सरकार ने कहा, एलपीजी की बुकिंग में गिरावट देखी गई है। 15 मार्च को लगभग 77 लाख बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि एक दिन पहले यह 88.8 लाख दर्ज की गई थी। ऑनलाइन एलपीजी सिलिंडर बुकिंग में 87% की है। सरकार ने कहा, बिहार, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान सहित कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप गैर-घरेलू एलपीजी के आवंटन के आदेश जारी किए हैं। वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडरों को प्राथमिकता के आधार पर वितरण के लिए राज्य सरकारों के पास रखा गया है। अब ये 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध हैं।

कालाबाजारी रोकने के लिए किए जा रहे उपाय

सरकार ने यह भी बताया कि राज्य सरकारें पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए प्रवर्तन उपाय कर रही हैं। एलपीजी सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए आंध्र प्रदेश और बिहार सहित कई राज्यों में छापेमारी की जा रही है। 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने स्थिति पर नजर रखने के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव कम करने के लिए आतिथ्य और रेस्तरां सहित कुछ क्षेत्रों में केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों का उपयोग करने की अनुमति दे दी गई है।

मुआवजे का एलान

ओडिशा में नॉरवेस्टर तूफान ने मचाई तबाही, 2 लोगों की मौत

भुवनेश्वर, एजेंसी

मयूरभंज जिले के करंजिया इलाके में नॉरवेस्टर (कालबैशाखी) तूफान ने भारी तबाही मचाई। तेज हवाओं से बड़े-बड़े पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए तथा कई घर क्षतिग्रस्त हो गए।तूफान का असर इतना तेज था कि एक ऑटो-रिक्शा हवा में उछलकर पास के तालाब में जा गिरा। रिपोर्ट के अनुसार, इस आंधी में 70 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है।इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।ओडिशा सरकार ने हुई घटना में जान गंवाने वाले दो लोगों के परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की।मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

यह मुआवजा राज्य सरकार की राहत योजना के तहत स्वीकृत किया गया है, क्योंकि खराब मौसम और तेज आंधी-तूफान से इलाके में भारी नुकसान हुआ।आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मयूरभंज जिले में तेज हवा और खराब मौसम के दौरान यह हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद राज्य सरकार ने तुरंत राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर हेमाकांत से ने बताया कि मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये की सहायता जल्द से जल्द दी जाएगी। प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि मुआवजे की राशि शीघ्र प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई जाए।मुख्यमंत्री ने घायलों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया है। स्थानीय अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर रखने और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देने को कहा गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी कार, नैनीताल निवासी समेत चार युवकों की मौत

मुरादाबाद, एजेंसी

लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर रामपुर की तरफ से आ रही कार ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। उनकी पहचान नैनीताल जिले के निवासी के तौर पर हुई है।

सोमवार सुबह मूंढापांडे क्षेत्र के मनकरा मोड़ के पासतेज रफ्तार कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद मूंढापांडे सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने कार सवार पांच युवकों में से चार को मृत घोषित कर दिया। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सीओ हाईवे राजेश कुमार ने बताया कि हादसे मे दयाल रावत निवासी वीमिला कंपाउंड पालीवाल नैनीताल, अनिल नेगी (38), सुंदर सैनी (42), भुवन भंडारी(37)हल्द्वानी की जान चली गई।चालक यशदीप पांडे निवासी हल्द्वानी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक भाग निकला।

पश्चिम एशिया के लिए 48 उड़ानें आज से शुरू यात्रियों को मिलेगी रिफंड-रीबुकिंग की सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने घोषणा की है कि आज से दोनों एयरलाइन्स मिलकर पश्चिम एशिया के लिए कुल 48 शेड्यूल और नॉन-शेड्यूल उड़ानें संचालित करेंगी। एयरलाइन के प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन उड़ानों में जेद्दा और मस्कट के लिए शेड्यूल सेवाएं शामिल हैं।

भारत और जेद्दा के बीच कुल 10 उड़ानें संचालित होंगी। एअर इंडिया दिल्ली और मुंबई से एक-एक रिटर्न सेवा संचालित करेगी, जबकि एअर इंडिया एक्सप्रेस बंगलूरू, कोझिकोड और मंगलोर से एक-एक उड़ान संचालित करेगी।

नॉन-शेड्यूल उड़ानें- शेड्यूल उड़ानों के अलावा, एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस संयुक्त रूप से 26 नॉन-शेड्यूल उड़ानें यूएई और सऊदी अरब के लिए संचालित करेंगी। इन उड़ानों का संचालन उपलब्ध स्लॉट और प्रस्थान स्टेशनों की परिस्थितियों के अनुसार किया जाएगा। ये सभी उड़ानें भारतीय और स्थानीय नियामक प्राधिकरणों से अनुमतियों के साथ संचालित की जा रही हैं।

अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानें- उत्तर अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्षेत्रों के लिए एअर इंडिया की सभी उड़ानें अपनी निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित होंगी।

रीकॉर्बुकिंग और रिफंड की सुविधा- वह यात्री जिनकी यात्रा की शेड्यूल सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित हैं, वे: बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के भविष्य की तारीख पर अपनी उड़ान रीकॉर्बुक कर सकते हैं।

मस्कट के लिए शेड्यूल उड़ानें

एअर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट के लिए कुल 12 शेड्यूल उड़ानें संचालित करेगी। इनमें दिल्ली, कन्नूर, मुंबई और तिरुवनंतपुरम से एक-एक उड़ान शामिल है, जबकि कोच्चि से दो उड़ानें संचालित की जाएंगी। ये उड़ानें नियमित समय-सारणी के अनुसार यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध होंगी।

मेट्रो एंकर — तेल के खेल में हुआ अरबों डॉलर का मुनाफा

पश्चिमी एशिया की जंग रूस के लिए बनी 'आपदा में अवसर'

मास्को, एजेंसी

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस युद्ध की वजह से वैश्विक बाजार में ऊर्जा संकट बढ़ गया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर ईरान की मजबूत पकड़ ने तेल आयात करने वाले सभी देशों को वैकल्पिक सप्लाई रास्तों की तलाश में भाग-दौड़ करने पर मजबूर कर दिया है। लेकिन इन सभी बातों के बीच रूस पैसा कमा रहा है।

दुनियाभर में तेल बेच रहा रूस

मिडिल ईस्ट में छिड़े युद्ध से जहां दुनिया के सभी देश परेशान हैं, वहां रूस के लिए यह युद्ध आपदा में अवसर की तरह है। द फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण रूस को काफी फायदा हुआ है। 2022 में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से रूस, अमेरिकी प्रतिबंधों की मार झेल रहा था। रिपोर्ट में बताया गया है कि जैसे-जैसे ईरान-इजरायल युद्ध आगे बढ़ रहा है, रूस तेल की बिक्री से हर दिन 150 मिलियन डॉलर तक का अतिरिक्त बजटीय राजस्व कमा रहा है।रूस का यूराल क्रूड, जो करीब दो महीने पहले तक 52 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा था, अब 70-80 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है।

1.9 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त राजस्व कमाया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान युद्ध के पहले 12 दिनों में रूस के तेल निर्यात का अनुमान लगाया जाए तो इस देश तो 1.3 बिलियन डॉलर से 1.9 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त कर राजस्व कमाया है। ईरान अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रहत है और ऑयल सप्लाई के लिए इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति नहीं देता है, तो इस महीने के अंत तक रूस 3.3 बिलियन डॉलर से 5 बिलियन डॉलर तक अतिरिक्त राजस्व कमा सकता है।

यूक्रेन ने किया अमेरिका का विरोध

अमेरिका ने ईरान युद्ध के बीच रूसी तेल प्रतिबंधों पर 30 दिनों की छूट का एलान किया। अमेरिका के इस फैसले का यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने विरोध किया, लेकिन इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन ने रूसी तेल पर दिए छूट के फैसले को बरकरार रखा है।

आईडीएफसी बैंक घोटाला

सोडा वॉटर की दुकान चलाने वाला बना करोड़पति, जांच में बड़ा खुलासा

चंडीगढ़, एजेंसी

आईडीएफसी बैंक से जुड़े करोड़ों रुपये के निवेश और घोटाले की जांच में गिरफ्तार आरोपी विक्रम वधावा को लेकर लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि कभी सोडा वॉटर की छोटी दुकान चलाने वाला विक्रम वधावा आज ट्राइसिटी में करोड़ों रुपये की संपत्तियों का मालिक बन चुका है।

जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपी के पास चंडीगढ़ के सेक्टर-33 और सेक्टर-36 में करोड़ों रुपये की कोठियां हैं। इसके अलावा मोहाली के खरड़ क्षेत्र में उसने प्रिज्मा रेजीडेंसी एलएलपी के नाम से एक हाउसिंग सोसाइटी भी विकसित की है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी मुलाकात सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी बैंक में रिभव ऋषि से हुई थी। बैंक में आने-जाने के दौरान दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी और बाद में यह दोस्ती में बदल गई। इसके बाद रिभव ने विक्रम वधावा को रियल एस्टेट समेत अन्य प्रोजेक्ट्स में निवेश के लिए रकम देनी शुरू कर दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564